बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन : 100

सामाजिक विज्ञान (कक्षा : 10)

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

संयोजक कार्यालय - संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन - 100 मार्गदर्शक

पितराम सिंह
संयुवत निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चूरू संभाग, चूरू

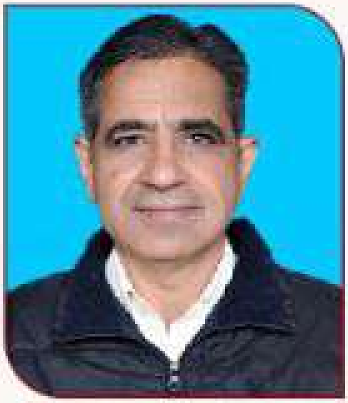

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक
संयुवत निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

संकलनकर्त्ता टीम - सामाजिक विज्ञान

मंजू कुमारी नेहरा
रा.उ.मा.वि. रेटा

दानाराम मावलिया
रा.उ.मा.वि. मोटलावास, सीकर

मालीराम जाट
रा.उ.मा.वि. रामजीपुरा, दांतारामगढ़

विक्रम सिंह हरितवाल
रा.उ.मा.वि. मण्ढा (मढनी), सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, संयुवत निदेशक कार्यालय - चूरू संभाग, चूरू (राजस्थान)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

मॉडल प्रश्न–पत्र परीक्षा–2023

कक्षा–10

विषय : सामाजिक विज्ञान (08)

समय : 3 घंटा 15 मिनट **अंक : 80**

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.स.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	28	35%
2.	अवबोध	32	40%
3.	अभिव्यक्ति	16	20%
4.	मौलिकता	04	5%
	योग	80	100%

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नो का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत	प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	12	1	15	24	16
2.	अतिलघूत्तरात्मक	12+6	1	22.50	36	23
3.	लघूत्तरात्मक	13	2	32.50	26	35
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न	4	3	15	8	45
5.	निबंधात्मक	3	4	15	6	76
	योग	50		100	100	195

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र. सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1.	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	5	
2.	भारत में राष्ट्रवाद	6	
3.	भूमण्डलीकृत विश्व का बनना	3	
4.	औद्योगिकरण का युग	4	
5.	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	2	
6.	संसाधन और विकास	3	
7.	वन और वन्य जीव संसाधन	2	
8.	जल संसाधन	3	
9.	कृषि	3	
10.	खनिज और ऊर्जा संसाधन	4	
11.	विनिर्माण उद्योग	2	
12.	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	3	
13.	सत्ता की साझेदारी	2	
14.	संझावाद	4	
15.	लेकतंत्र और विविधता	2	
16.	जति, धर्म और लैंगिक मसले	4	
17.	जन–संघर्ष और आंदोलन	2	
18.	राजनीति दल	2	
19.	लोकतंत्र के परिणाम	2	
20.	लेकतंत्र की चुनौतियां	2	
21.	थ्वकास	4	
22.	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	4	
23.	मुद्रा और साख	4	
24.	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	4	
25.	उपभोक्ता अधिकार	4	

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा–10 | विषय : सामाजिक विज्ञान (08) | पूर्णांक – 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति					कौशल/मौलिकता					योग
		वस्तुनिष्ठ	अतिलघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनि	अतिलघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनि	अतिलघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनि	अतिलघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	
1.	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय			2(1)	3(1)																	5(2)
2.	भारत में राष्ट्रवाद	2(2)									4(1)											6(3)
3.	भूमण्डलीकृत विश्व का बनना	1(1)										1(1)	1(1)									3(3)
4.	औद्योगिकरण का युग	1(1)							2(1)				1(1)									4(3)
5.	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	1(1)	1(1)																			2(2)
6.	संसाधन और विकास																					3(1)
7.	वन और वन्य जीव संसाधन								2(1)						3(1)							2(1)
8.	जल संसाधन								2(1)				1(1)									3(2)
9.	कृषि							1(1)														3(2)
10	खनिज और ऊर्जा संसाधन			2(1)																	4(1)	4(1)
11	विनिर्माण उद्योग																					2(2)
12	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	2(2)							2(1)													3(2)
13	सत्ता की साझेदारी		1(1)						2(1)													2(1)
14	संझावाद										4(1)											4(1)
15	लेकतंत्र और विविधता													2(1)								2(1)

विकल्पों की योजना :– प्र.सं. 21–23 में एक आंतरिक विकल्प है।

नोटः– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

नोट :– प्र.सं. 1 में 12, प्र. सं. 2 में 6 प्रश्न एवं प्र.सं. 3 में 12 प्रश्न निहित है।

टेलीग्राम चैनल ज्वाइन करें

पाठ 1 – यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

लघुतरात्मक – 2 अंक (1 प्रश्न)

दीर्घउतरात्मक – 3 अंक (1 प्रश्न)

- प्रश्न–1 उदारवादी राष्ट्रवाद से क्या अभिप्राय है।
  उत्तर – उदारवादी लैटिन भाषा के शब्द Liber पर आधारित है। जिसका अर्थ है– स्वतन्त्रता अर्थात व्यक्ति के लिए स्वतन्त्रता व कानून के समक्ष सबको समानता।
- प्रश्न–2 1848 में फ्रडरिक सॉरयू ने अपने चित्रो में स्वप्नदर्शी प्रस्तुति क्यों की ?
  उत्तर– यह एक फ्रांसीसी कलाकार था, जिसने 1848 ई. में चार चित्रों की एक श्रृंखला बनाई। इसमें उसने अपने सपनों का एक संसार रचा जो उसके शब्दो में जनतान्त्रिक और सामाजिक गणतन्त्रो से मिलकर बना था।
- प्रश्न–3 नेपोलियन संहिता क्या थी ?
  उत्तर– 1804 ई. में एक नागरिक संहिता का निर्माण किया जिसे नेपोलियन की संहिता के नाम से जाना जाता है। इस संहिता ने जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिये थे तथा कानून के समक्ष समानता व सम्पति के अधिकार को सुरक्षित बनाया।
- प्रश्न–4 ग्रिम बन्धु कौन थे ? उन्होनें जर्मन राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में क्या योगदान दिया ?
  उत्तर– ग्रिम बन्धु जर्मनी के निवासी थे। उन्होनें अनेक पुरानी लोककथाएं इकट्ठी की, उनका विश्वास था कि उन्होनें जो लोककथाएँ इक्टठी की जो बच्चों और बड़ो में समान रूप से पसंद की जाती थी।
- प्रश्न–5 रूमानीवाद से आप क्या समझते है ?
  उत्तर– यह एक ऐसा सांस्कृतिक आन्दोलन था, जो एक विशेष प्रकार की राष्ट्रीय भावना का विकास करना चाहता था। रूमानीवाद भावनाओं, अन्तदृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर जोर देता था।
- प्रश्न–6 **वियना** संधि के प्रमुख उद्वेश्य लिखिए।
  उत्तर– 1. भविष्य में फ्रांस की सीमाओं के विस्तार को रोकना।
  2. नेपोलियन द्वारा बर्खास्त किये गए राजतन्त्रो की बहाली करना।
  3. यूरोप में एक नयी रूढ़िवादी व्यवस्था कायम करना।
  4. नेपोलियन युद्धो के दौरान हुए सभी बदलावों को खत्म करना।
- प्रश्न–7 ऑटोवान बिल्मार्क को जर्मनी के एकीकरण का जनक क्यो कहा गया था ?
  उत्तर– प्रशा का प्रमुख मंत्री, उसने प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद ली तथा सात वर्ष के दौरान ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस से तीन युद्धो में प्रशा की जीत हुई तथा जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई।

शेखावाटी मिशन - 100

- प्रश्न–8 जॉलवेराइन संघ की विशेषताएँ लिखिए।
  उत्तर 1. जॉलवेराइन संघ एक शुल्क संघ था।
  2.1834 ई. में इसकी स्थापना की गई।
  3. इस संघ का उद्वेश्य जर्मन लोगों की आर्थिक रूप से एक राष्ट्र में बॉध देना था।

दीर्घउतरात्मक –

- प्रश्न–1 यूरोप में राष्ट्रवाद के कोई चार कारण बताइएँ।
  उत्तर– 1. **मध्य वर्ग का उदय** – मध्य वर्ग में कुलीन व उदारवादी वर्गो के बीच राष्ट्रीय एकता के विचारों को लोकप्रिय बनाया।
  2. **उदारवादी विचारधारा का प्रारम्भ** – 19वीं सदी में प्रारम्भ हुई, इस विचारधारा ने राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया।
  3. **यूनान का स्वतंत्रता संग्राम** – यूनान को 1832 ई. में हुई कुस्तुनतुनियां की संधी ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता प्रदान की।
  4. **जन विद्रोह** – इन जन विद्रोह से रूढ़िवादी सरकारें कमजोर होने लगी तथा राष्ट्रवादी भावनाएँ जन्म लेने लगी।
- प्रश्न–2 इटली के एकीकरण में मेत्सिनी के योगदान का उल्लेख कीजिए।
  उत्तर 1. वह राजशाही के विरूद्ध था तथा लोकतन्त्र में विश्वास करता था।
  2. वह इटली के विभिन्न राज्यों एवं प्रदेशों को एकीकृत कर एकीकृत इटली एवं एकीकृत गणराज्य बनाना चाहता था।
  3. मेत्सिनी ने यंग इटली के माध्यम से इटली वासियों में राष्ट्रीयता, देशभक्ति, त्याग एवं बलिदान की भावनाएँ उत्पन्न की।
  4. मेत्सिनी ने प्रजातांत्रिक गणराज्यों के अपने स्वप्न से रूढिवादियों को पराजित कर दिया।
- प्रश्न–3 1989 ई. में हुई फ्रांस की क्रान्ति के परिणामों का वर्णन कीजिए।
  उत्तर – 1. प्रभुसता राजतंत्र से निकलकर फ्रांसीसी नागरिकों के समूह के हाथों में आ गयी।
  2. एस्टेट जनरल का चुनाव सक्रिय नागरिकों के समूह द्वारा किया जाने लगा।
  3. आन्तरिक आयात–निर्यात शुल्क समाप्त कर दिये गये।
  4. तौलने एवं नापने के लिए एक तरह की व्यवस्था लागू की गई।
  5. फ्रांस की क्रान्ति ने राष्ट्रवाद के बीज बो दिये, जिससे यूरोप में राष्ट्रीय राज्यों की स्थापना हुई।

शेखावाटी मिशन - 100

पाठ 2 – भारत में राष्ट्रवाद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)

निबंधात्मक प्रश्न – 4 अंक (1 प्रश्न)

- प्रश्न–1 चौरी–चौरा कांड किस वर्ष हुआ ?
  (A) 1920 (B) 1922 (C) 1925 (D) 1928 **Ans (B)**
- प्रश्न–2 भारत में सर्वप्रथम महात्मा गांधी ने सत्याग्रह कहां किया ?
  (A) चंपारन (B) दांडी (C) साबरमती (D) पटना **Ans (A)**
- प्रश्न–3 जलियावाला बाग हत्याकांड कब घटित हुआ ?
  (A) 7 मार्च,1920 (B) 13 अप्रेल,1919 (C) 10 फरवरी,1917 (D) 7 जून,1917 **Ans (B)**
- प्रश्न–4 रॉलेट एक्ट पारित हुआ।
  (A) 1918 (B) 1919 (C) 1917 (D) 1920 **Ans (B)**
- प्रश्न–5 साइमन कमीशन भारत कब पंहुचा।
  (A) 1930 (B) 1927 (C) 1928 (D) 1929 **Ans (C)**
- प्रश्न–6 गांधीजी तथा अम्बेडकर के बीच पूना पैक्ट हुआ।
  (A) 1929 (B) 1930 (C) 1931 (D) 1932 **Ans (D)**
- प्रश्न–7 गांधी–इरविन समझोता कब हुआ।
  (A) 15 जनवरी,1931 (B) 5 जनवरी,1930 (C) 5 मार्च,1931 (D) 5 मार्च,1930 **Ans (C)**
- प्रश्न–8 हिन्द स्वराज नामक पुस्तक की रचना किसने की थी ?
  (A) महात्मा गांधी (B) वल्लभ भाई पटेल (C) जवाहर लाल नेहरू (D) भीमराव अम्बेडकर**Ans(A)**
- प्रश्न–9 वन्देमातरम किसने लिखा।
  (A) अवनीन्द्रेनाथ टेगोर (B) द्वारकानाथ टेगोर (C) बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय (D) रवीन्द्रनाथ टगोर **Ans (C)**
- प्रश्न–10 भारत माता की विख्यात छवि को किसने चित्रित कया।
  (A) कृपालसिंह शेखावत (B) अवनीन्द्रेनाथ टेगोर (C) रवीन्द्रनाथ टगोर (D) राजा रवि वर्मा **Ans (B)**
- प्रश्न–11 पूर्व स्वराज की मांग कांग्रेस के किस अधिवेशन में की गई।
  (A) लाहौर (B) कलकता (C) मद्रास (D) इलाहाबाद **Ans (A)**
- प्रश्न–12 डॉ. अम्बेडकर ने दलित वर्ग एसोसिएशन की स्थापना कब की ?

शेखावाटी मिशन - 100

(A) 1929 (B) 1930 (C) 1931 (D) 1932 **Ans (B)**

- प्रश्न–13 महात्मा गांधी ने साबरमती से नमक यात्रा कब शुरू की।
  (A) 12 मार्च,1930 (B) 12 जनवरी,1930 (C) 25 जून,1931 (D) 30 जुलाई,1932 **Ans (A)**
- प्रश्न–14 सीमान्त गांधी किसे कहा जाता है ?
  (A) जी.डी.बिड़ला (B) अब्दुल गफ्फार खान (C) महात्मा गांधी (D) डॉ. अम्बेडकर **Ans (B)**
- प्रश्न–15 सी.आर.दास और पं. मोतीलाल नेहरू ने स्वराज पार्टी की स्थापना कब की ?
  A) 1920 (B) 1923 (C) 1924 (D) 1927 **Ans (B)**
- प्रश्न–16 इंकलाब जिन्दाबाद का नारा किस स्वतंत्रता सेनानी ने दिया ?
  (A) भगत सिंह (B) लाला लाज पतराय (C) जतिनदास (D) चन्द्र शेखर **Ans (A)**
- प्रश्न–17 1928 में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (H.S.R.A.) की स्थापना किसने की ?
  (A) भगत सिंह (B) जतिनदास (C) अजॉय घोष (D) उपरोक्त सभी **Ans (D)**

<u>निबन्धात्मक प्रश्न –</u>

- प्रश्न–1 रॉलेट एक्ट क्या था ? गांधीजी द्वारा रॉलेट एक्ट का विरोध किये जाने का विवरण दीजीए।
  उत्तर – 1. रॉलेट एक्ट – मार्च 1919 में इम्पीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल ने रॉलेट एक्ट पारित किया। इस कानून के द्वारा ब्रिटिश सरकार को राजनीतिक गतिविधियों का दमन करने तथा राजनीतिक बन्दियों को दो वर्ष तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया था।

  2. गांधीजी द्वारा रॉलेट एक्ट का विरोध – उन्होंने सम्पूर्ण देश में 6 अप्रेल, 1919 की हड़ताल करने का आवहान किया। गांधीजी के आवहान पर विभिन्न शहरों में रैली–जुलूसों का आयोजन किया गया। दुकाने बंद हो गई।

  3. ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीति – ब्रिटिस सरकार ने इस आन्दोलन को कुचलने के लिए दमनकारी नीति अपनाई। सरकार ने अमृतसर में स्थानीय राष्ट्रवादी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। गांधीजी के दिल्ली में प्रवेश करने पर पाबंदी लगा दी गई। मार्शल लॉ लागू कर दिया गया और जनरल डायर ने कमान सम्भल ली और 13 अप्रेल को जनरल डायर द्वारा जलियावाला बाग हत्याकाण्ड को अंजाम दिया गया।
- प्रश्न–2 सविनय अवज्ञा आन्दोलन का वर्णन कीजिए।
  उत्तर – 1. यह आन्दोलन 1930 में शुरू हुआ।

  2. 1928 में साइमन कमीशन भारत आया जिसने भारतीयों के विरोध के बावजूद अपनी रिपोर्ट पेश कर दी जिससे भारतीयों में असंतोष फैल गया।

  3. यह आन्दोलन गांधीजी की दाण्डी यात्रा से प्रारम्भ हुआ जिसके तहत उन्होने नमक बनाकर कानून तोड़ने का निश्चय किया।

शेखावाटी मिशन - 100

4. गांधीजी ने 12 मर्च, 1930 को अपने 78 विश्वस्त वॉलटियरों के साथ नमक यात्रा शुरू कर दी।

5. यह यात्रा साबरमती आश्रम से शुरू होकर 240 कि.मी. दूर दांडी नामक स्थान पर होनी थी।

6. गांधीजी ने 24 दिन तक रोज लगभग 10 मील का सफर तय किया तथा 6 अप्रेल को दांडी पहुॅच कर नमक बनाकर नमक कानून का उल्लघंन किया।

7. यहां से सविनय अवज्ञा आन्दोलन देश भर में फैल गया अनेक स्थानों पर लोगो ने सरकारी कानूनों का उल्लघंन किया।

8. सरकार ने आन्दोलन को दबाने के लिए दमन चक्र प्रारम्भ कर दिया। गांधीजी सहित अनेक लोगो को जेल में डाला गया।

9. अंत में गांधीजी तथा वायसराय इरविन के मध्य एक समझौता हुआ तथा गांधीजी से सविनय अवज्ञा आंदोलन बंद कर दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने का निश्चय किया।

- प्रश्न–3 भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गांधी के योगदान का वर्णन कीजिए।

उत्तर – 1. ब्रिटिश सरकार ने 1919 में रॉलेट एक्ट पारित किया।

2. इस एक्ट के अनुसार सरकार की राजनीतिक गतिविधियों को कुचलनें तथा राजनीतिक बन्दियों को दो वर्ष तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बन्द करने का अधिकार मील गया था।

3. 1921 में गांधजी ने असहयोग आन्दोलन चलाया।

4. असहयोग आन्दोलन के दौरान विदेशी माल का बहिष्कार किया गया, शराब की दुकानों पर धरना दिया गया, विदेशी वस्त्रों की होली जलाई गई।

5. 12 मार्च 1930 को गांधीजी ने अपने 78 कार्य कर्ताओं के साथ नमक यात्रा शुरू कर दी।

6. यह यात्रा साबरमती आश्रम से 240 किलोमीटर दूर दांडी नामक स्थान पर जाकर समाप्त होनी थी।

7. 6 अप्रेल को गांधीजी दांडी पहुॅचे और वहां नमक बनाकर सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू किया।

8. 8 अगस्त 1942 को पूरे देश में व्यापक पैमाने पर एक अहिसंक जन संघर्ष का आहवान किया।

9. इसी अवसर पर गांधीजी ने प्रसिद्ध करो या मरो का नारा दिया था।

- प्रश्न–4 भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित स्थनों को अंकित कीजिए।

(A) चौरी–चौरा (B) कलकता (C) दांडी (D) चैन्नई (E) अमृतसर
(F) चंपारन (G) सूरत (H) खेड़ा (I) पंजाब

शेखावाटी मिशन - 100

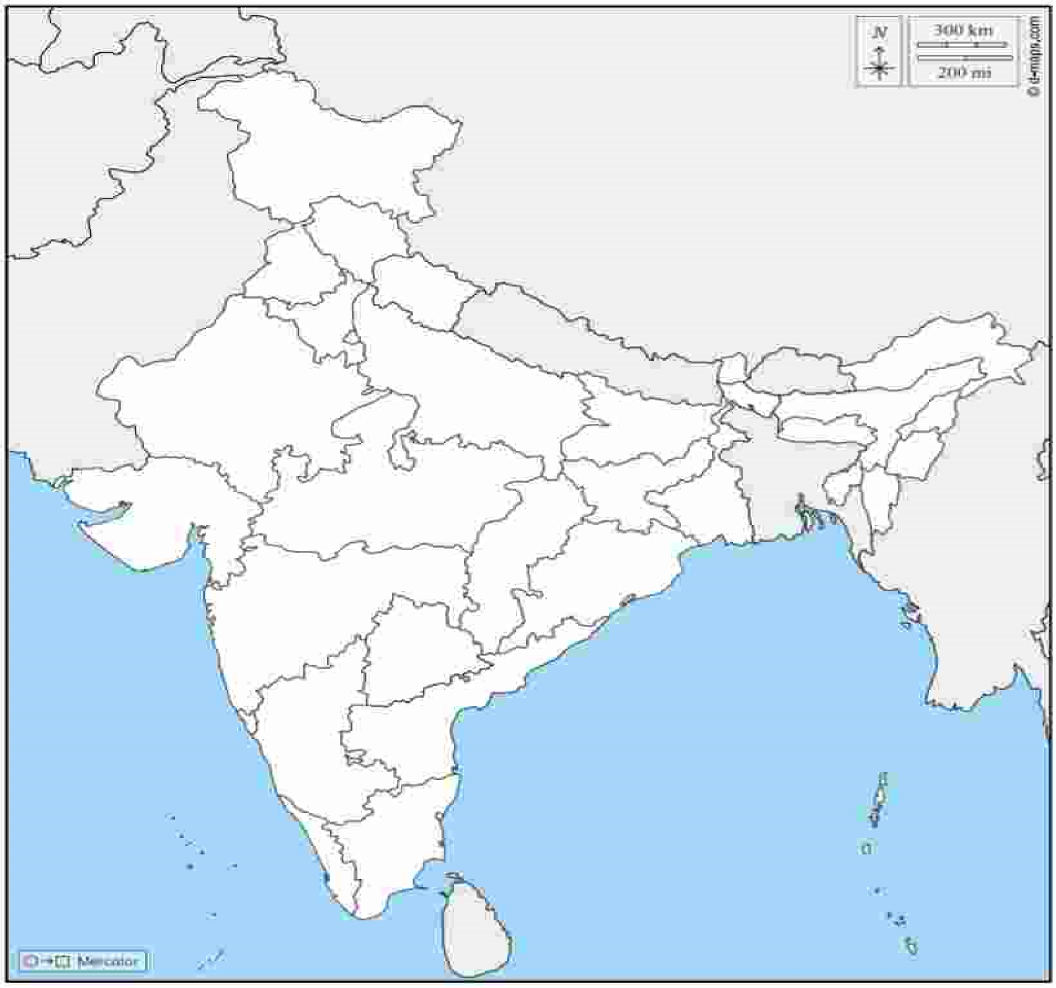
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
Mercator

पाठ 3 – भूमण्डलीकृत विश्व का बनना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

- प्रश्न–1 19वीं शताब्दी में प्रचलित अनुबन्धित व्यवस्था को क्या नाम दिया गया था।
  (A) गिरमिटिया व्यवस्था (B) कुली व्यवस्था (C) बेगार व्यवस्था (D) नई दास प्रथा **Ans (A)**
- प्रश्न–2 विश्वव्यापी आर्थिक मन्दी की शुरूवात हुई।
  (A) 1935 (B) 1929 (C) 1919 (D) 1933 **Ans (B)**
- प्रश्न–3 18वीं शताब्दी के अन्त में विश्व व्यपार का सबसे बड़ा केन्द्र कौनसा था ?
  (A) एसिया (B) यूरोप (C) अफ्रिका (D) अमेरिका **Ans (A)**
- प्रश्न–4 1885 ई. में यूरोप ताकतवर देशों ने किस महाद्वीप को नक्शे पर लकीरे खींच कर आपस में बांट लिया।
  (A) अफ्रिका (B) यूरोप (C) एसिया (D) अमेरिका **Ans (A)**
- प्रश्न–5 भारत से ले जाने वाले अनुबन्धित श्रमिक क्या कहलाते थे ?
  (A) दस श्रमिक (B) फटफटिया (C) गिरमिटिया (D) उपनिवेश श्रमिक **Ans (C)**
- प्रश्न–6 अमेरिका में स्पेनिश मैनिको द्वारा कौनसी बीमारी फैलाई गई।
  (A) चेचक (B) कैंसर (C) मलेरिया (D) टिटनेस **Ans (A)**
- प्रयन–7 हैनरी स्टेनली को किस महाद्वीप में खोज हेतु भेजा गया था ?
  (A) अमेरिका (B) अफ्रिका (C) यूरोप (D) एसिया **Ans (B)**
- प्रयन–8 एसिया को यूरोप तथा अफ्रिका से जोड़ने का कार्य कौनसा मार्ग करता था ?
  (A) राजमार्ग (B) स्वर्णिम मार्ग (C) रेशम मार्ग (D) इनमे से कोई नही**Ans (C)**
- प्रश्न–9 समूह 77 (G-77) में कौनसे देश संगठित है ?
  (A) विकासशील (B) विकसीत (C) अत्यन्त पिछड़े (D) उच्च विकसीत **Ans (A)**

शेखावाटी मिशन - 100

रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए –

- प्रश्न–1 विभिन्न देशों के बिच परस्पर सम्बन्धों में और तीव्र एकीकरण की ....प्रक्रिया है।
  प्रश्न–2 कॉर्न लॉ का सम्बन्ध .... है।
  प्रश्न–3 1890 ई. अफ्रिका में .... नामक बीमारी बहुत तेजी से फैल गई।
  प्रश्न–4 प्रथम विश्व युद्ध मित्र राष्ट्रों और.........................के बीच लडा गया।

उत्तर (1) वैश्वीकरण (2) ब्रिटेन (3) रिंडरपेस्ट (4) केन्द्रीय शक्तियों

अति लघुतरात्मक –

- प्रश्न–1 प्रथम विश्व युद्ध के दोनों गुटों में कौन–कौन से देश शामिल थे।
  उत्तर – मित्र राष्ट्रों में ब्रिटेन, फ्रांस और रूस थे तथा केन्द्रीय शक्तियों में जर्मनी, आस्ट्रिया–हंगरी और ऑटोमन तुर्की शामिल था।
- प्रश्न–2 प्रथम विश्व युद्ध के बाद विश्व को किस आर्थिक संकट का सामना करना पडा था ?
  उत्तर – आर्थिक महामंदी का।
- प्रश्न–3 19वीं शताब्दी में भारत से विदेशों में निर्यात की जाने वाली दो वस्तुओं के नाम लिखिए।
  उत्तर– (1) कपास (2) नील
- प्रश्न–4 ब्रेटन वुड्स संस्थान किसे कहा जाता है ?
  उत्तर– विश्व बैंक तथा अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा को
- प्रश्न–5 वैश्वीकरण की प्रक्रिया में मुख्यतः कितने प्रवाह है।
  उत्तर (1) व्यपार प्रवाह (2) श्रम प्रवाह (3) पूॅजी प्रवाह
- प्रश्न–6 रेशम मार्ग से क्या अभिप्राय है ?
  उत्तर आधुनिक काल से पहले जिन मार्गो से चीनी रेशम पश्चिम के देशों में भेजा जाता था।
- प्रश्न–7 वीटो (निषेधाधिकार) किसे कहते है ?
  उत्तर जिसके सहारे एक सदस्यकी भी असहमति किसी भी प्रस्ताव को खारिज करने का आधार बन जाती है।
- प्रश्न–8 **कॉर्न लॉ क्या था** ?
  उत्तर **जिन कानूनों के तहत ब्रिटिश सरकार ने मक्का के आयात पर पाबंदी लगाई थी।**
- प्रश्न–9 **केनाल कॉलोनी से क्या अभिशाय** है ?
  उत्तर **नई नहरों की** सिचाई **वाले क्षेत्रों मे पंजाब के** उच्च **स्थानों से लोगों को लाकर ब**साया **गया। नहरों का जाल बि**छाया गया **जिससे कि निर्यात के लिए गेहूँ और कपास की खेती की जा सके।**
- प्रश्न–10 **हेनरी फोर्ड ने कारों के उत्पादन के लिए कौनसी पद्धति अपनाई ।**

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर **असेम्बली लाइन।**

- प्रश्न–11 **चटनी म्यूजिक कहाँ प्रसिद्ध** था ?

  उत्तर **त्रिनिदाद और गुयाना में**
- प्रश्न–12 **आपात शुल्क किले कहते** है ?

  उत्तर **किसी दूसरे देश से आने वाली वस्तु पर वसूल किया जाने वाला शुल्क**

पाठ – 4 – औद्योगीकरण का युग

वस्तुनिष्ठ – अंक –1 (प्रश्न–1)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

- प्रश्न–1 भारत में सन् 1854 में पहली कपड़ा मिल कहॉ लगी थी ?

  (A) बम्बई (B) सूरत (C) पूणें (D) अहमदाबाद **Ans (A)**
- प्रश्न–2 **जे॰ एन॰ टाटा ने किस वर्ष जमशेदपुर में भारत का प्रथम लौह एवं इस्पात संयंत्र स्थापित किया।**

  (A) 1854 (B) 1720 (C) 1912 (D) 1865 **Ans (C)**
- प्रश्न–3 **बंगाल में पहली जूट मिल स्थापित हुई** ?

  (A) 1854 में (B) 1865 में (C) 1815 में (D) 1855 में **Ans (D)**
- प्रश्न–4 1917 में कलकता में देश की पहली जूट मिल लगाने वाले व्यवसायी थे।

  (A) दिनसॉ पेटिट (B) जमशेदजी टाटा (C) सेठ हुकुमचन्द (D) द्वारकानाथ टेगौर **Ans (C)**
- प्रश्न–5 1811–12 में **भारत** के **कुल निर्यात में सूती** माल **का** हिस्सा 33 **प्रतिशत था जो** 1850–51 **में घटकर** रह गया था ?
- (A) 30 प्रतिशत (B) 20 प्रतिशत (C) 13 प्रतिशत (D) 3 प्रतिशत **Ans (D)**

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

- प्रश्न–1 .... नये युग का पहला प्रतीक थी।
- प्रश्न–2 उधोगपति नये मजदुरों की भर्ती के लिए प्रायः एक............................. रखते थे।
- प्रश्न–3 इंगलेण्ड में ....के दशक में कारखानों का खुलना प्रारम्भ हुआ।
- प्रश्न–4 न्यूकॉमेन द्वारा बनाए गए भाप के इजंन में सुधार किया.............................. ।

उत्तर (1) कपास (2) जॉबर (3) 1730 (4) जेम्स

शेखावाटी मिशन - 100

अति लघूत्तरात्मक –

- प्रश्न–1 कार्डिग क्या है ?
  उत्तर जिसमें कपास या उन आदि रेशों की कताई के लिए तैयार किया जाता था।
- प्रश्न–2 सूती कपड़ा मिल की रूपरेखा किसने तैया की थी ?
  उत्तर रिचर्ड आर्कराइट
- प्रश्न–3 स्पिनिंग जेनी मशीन का निर्माण कब किसने किया ?
  उत्तर जेम्स हरग्रीब्ज ने 1764 ई. में
- प्रश्न–4 मद्रास में किस वर्ष पहली कताई मिल स्थापित हुई ?
  उत्तर सन् 1874 ई. में
- प्रश्न–5 भारत के दो प्रारम्भिक उद्योगपतियों के नाम लिखिये।
  उत्तर (1) जमशेदजी (2) द्वारकानाथ टैगोर
- प्रश्न–6 भारत के किन दो बन्दरगाहों से विदेशों के साथ व्यपार चलता था ?
  उत्तर (1) सूरत (2) हुगली
- प्रश्न–7 अमेरिकी गृह युद्ध का भारतीय बुनकरों पर क्या प्रभाव पड़ा ?
  उत्तर अमेरिका से कपास की आमद बंद हो गई। कच्चे कपास की अत्याधिक कीमत के कारण बुनकरों को कच्चे माल के लाले पड़ गए।
- प्रश्न–8 स्टेपलर्स से क्या अभिपार्य है ?
  उत्तर जो रेशों के हिसाब से उन को स्टेपल करता हो या छाटता हो।

लघुत्तरात्मक –

- प्रश्न–1 गिल्ड्स से आप क्या समझते हो ?
  उत्तर यूरोपीय शहरों में विभिन्न व्यापारियो, उत्पादकों, दस्तकारो द्वारा अपने हितों की रक्षा के लिए बनाये गये संगठन गिल्ड्स कहलाते थे।
- प्रश्न–2 गुमाश्ता से क्या अभिप्राय हो ? कार्य बताइए
  उत्तर गुभारता ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा नियुक्त किये जाने वाले वेतनभोगी कर्मचारी होते थे जो बुनकरो पर निगरानी रखने, माल इकट्ठा करने एवं कपड़ो की गुणवता जाँचने का कार्य करते थे। ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा नियुक्त गुमाश्ते बाहर के लोग थे जिनका गाँव से कोई सामाजिक सम्बंध नहीं था वे दोषपूर्ण व्यवहार करते थे।
- प्रश्न–3 भारत के औद्योगिक विकास पर प्रथम विश्वयुद्ध का क्या प्रभाव पडा ?
  उत्तर 1. भारत में मैनचेस्टर के माल का आयात कम हो गया
  2. ब्रिटिश सूती नात्र उद्योग अपना आधुनिकी करण नहीं कर सका।
  3. स्थानीय उद्योगपतियों ने घरेलू बाज़ारो पर नियंत्रण स्थापित कर लिया।
- प्रश्न–4 वस्तुओं के लिए बाजार में विज्ञापन के महत्व को समझाइऐं।

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर 1. विज्ञापन विभिन्न उत्पादों को आवश्यक एवं वांछनीय बना देते है वे लोगों की सोच बदल देते है।

2. समाचार–पत्र–पत्रिकाओं, होर्डिंग्स, दीवारो, टेलीविजन के परदे पर सभी जगह विज्ञापन छाये हुए है।

3. यदि हम इतिहास में पीछे मुड़कर देखें तो पता चालता हो कि औधोगीकरण की शुरुआत से ही विज्ञापनों ने विभिन्न उत्पादों के बाजार के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है।

- प्रश्न–5 19वीं शताब्दी में भारतीय बुनकरो की समान्याओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर 1. बुनकरों का निर्यात बाजार समाप्ति की ओर था तथा स्थानीय बाजार भी सिकुड़ रहा था।

2. 1850 के दशक तक देश के अधिकांश बुनकर प्रदेशो मे गरीबी व बेरोजगारी फैल गयी थी।

3. अमेरिका में गृह युद्ध से वहाँ से कपास का आना बन्द हो गया। इस पर ब्रिटेन भारत से कपास मँगाने लगा जिससे कपास की कीमतें अत्यधिक बढ़ गयी। भारतीय बुनकरो को कपास मिलना मुश्किल हो गया

4. 19वीं सदी के अन्त मे भारतीय कारखानों मे उत्पादन होने लगा फलस्वरूप भारतीय बुनकर उद्योग पतन के कगार पर पहुँच गया।

पाठ – 5 मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया

वस्तुनिष्ठ – अंक –1 (प्रश्न–1)
अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

- प्रश्न–1 विश्व में सर्वप्रथम मुद्रण की तकनीक किस देश मे विकसित हुई थी ?

(A) भारत (B) चीन (C) जर्मनी (D) फ्रांस **Ans (B)**

- प्रश्न–2 पंजाब केसरी का प्रकाशन किसने किया ?

(A) बाल गंगाधर तिलक (B) महात्मा गांधी (C) भगतसिंह (D) राजाराम मोहन राय **Ans (A)**

- प्रश्न–3 तुलसीदास द्वारा रामचरितमानस का प्रकाशन करवाया गया ?

(A) जयपुर (B) मुम्बई (C) मद्रास (D) कलकता **Ans (D)**

- प्रश्न–4 जापान की सबसे पुरानी पुस्तक 'डायमंड सूत्र' छपी थी ?

(A) 1018 ई. (B) 908 ई. (C) 968 ई. (D) 868 ई. **Ans (D)**

- प्रश्न–5 आधुनिक छापेखाने का आविष्कार किसने किया था ?

(A) चौहान गुटेन्बर्ग (B) मार्को पोलो (C) दिदरो (D) कोलम्बस **Ans (A)**

शेखावाटी मिशन - 100

- प्रश्न–6 1448 ई. में गुटेन्बर्ग ने कौनानी पहली पुस्तक छापी थी ?
  (A) कुरान (B) बाइबिल (C) डायमंड सूत्र (D) त्रिपीटका **Ans (B)**
- प्रश्न–7 1821 से संवाद कौमुदी का प्रकाशन किसने शुरू किया ?
  (A) विवेकानन्द (B) ज्योतिबा फुले (C) राजा राममोहन राय (D) ज्योतिबा फुले **Ans (C)**
- प्रश्न–8 मुद्रण संस्कृति ने किस क्रान्ति को जन्म दिया ?
  (A) 1789 की फ्रांसीसी क्रान्ति (B) 1917 को रूस की सर्वहारा क्रान्ति
  (C) इंग्लैण्ड की रक्त हीन क्रांति (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं **Ans (A)**

<u>अतिलघुतरात्मक</u> –

- प्रश्न–1 किस धर्म सुधारक ने प्रोटेस्टेन्ट धर्मसुधार आन्दोलन की शुरुवात की ?
  उत्तर – मार्टिन लूथर ।
- प्रश्न–2 बंगाल गजट नामक साप्ताहिक पत्रिका का प्रकाशन किसने और कब किया ?
  उत्तर – (1) जेम्स ऑगस्टस हिक्की (2) 1780 में
- प्रश्न–3 मार्को पोलो कौन था ?
  उत्तर – इटली का एक महान खोजी यात्री था। वह चीन से इटली में वुड ब्लॉक वाली छपाई की तकनीक लेकर आया था।
- प्रश्न–4 महाराष्ट्र की दो महिलाओं के नाम लिखिए जिन्होंने उच्च जाति की महिलाओं की दयनीय दशा के बारे मे लिखा।
  उत्तर – (1) ताराबाई शिंन्दे (2) पंडिता रमाबाई
- प्रश्न–5 गुलामगिरी के रचयिता कौन थे ? पुस्तक की रचना कब हुई ?
  उत्तर – (1) ज्योतिबा फुले (2) 1871 मैं।
- प्रश्न–6 पेरियार के नाम से कौन जाने जाते हैं ?
  उत्तर – ई. वी. रामास्वामी नायकर।
- प्रश्न–7 वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट क्या था ?
  उत्तर – 1878 के लार्ड लिटन ने वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट लागू किया। इससे सरकार को भारतीय भाषाओ मे छपने वाले समाचार पत्रों को सेंसर करने का अधिकार मिल गया।
- प्रश्न–8 इन्क्वीजीशन क्या हैं ?
  उत्तर – विधर्मियों की शिनाख्त करने और उन्हें सजा देने वाली रोमन कैथोलिक संस्था इन्क्वीजीशन है।
- प्रश्न–9 इंग्लैण्ड में सस्ती किताबों को किस नाम से जाना जाता है ?
  उत्तर – पेनी चैप बुक्स।
- प्रश्न–10 गैली से क्या आशय है ?

शेखावाटी मिशन -100

उत्तर — एक धातुई फ्रेम, जिसमें टाइप बिछाकर इबारत बनाई जाती थी।

- प्रश्न—11 प्लाटेन के बारे में बताइऐं।
  उत्तर — लेटर प्रेस छपाई में प्लाटेन एक बोर्ड होता है जिसे कागज के पीछे दबाकर टाइप की छाप ली जाती थी।

पाठ — 6. संसाधन एवं विकास

दीर्घउतरात्मक — 3 अंक (1 प्रश्न)

- प्रश्न—1 संसाधन ही विकास के स्रोत है स्पष्ट कीजिए—
- उत्तर— संसाधन ही विकास के स्रोत है क्योंकि मृदा, जल खनिज, वनसम्पदा, वन्यप्राणी तथा मानव जैसे जैविक व अजैविक संसाधनों के उपयोग द्वारा ही आर्थिक विकास संभव है। मृदा की उपलब्धता से ही अनाज का उत्पादन, जल की उपलब्धता से ही फसलो की सिचांई, औद्योगिक उपयोग, जल विद्युत पेयजल की उपलब्धता संभव है।

  खनिजो की उपलब्धता के कारण ही वस्तुओ का निर्माण औद्योगिक ईकाईयों की स्थापना विनिर्माण जैसे कार्य संपन्न होते है।

  वन्य जीव तथा वन सम्पदा के कारण अनेक पदार्थो की प्राप्ति तथा विनिर्माण सफल होता है।

  अतः किसी भी देश के आर्थिक, सामाजिक या अन्य विकास के लिए संसाधन आवश्यक है। संसाधन ही विकास के स्रोत है।

  अतः हम कह सकते है कि संसाधन ही विकास के स्रोत है।
- प्रश्न—2 संसाधनो की उत्पति एवं समाप्यता के आधार पर वर्गीकृत कीजिए।
- उत्तर— उत्पति के आधार पर संसाधनो को निम्न भागो में वर्गीकृत किया गया हैः—
- **जैव संसाधनः**— इस प्रकार के संसाधन सजीवो से प्राप्त होते है जैसे मनुष्य, पादप, जलीय जीव, जन्तु आदि।
- **अजैव संसाधनः**— इस प्रकार के संसाधन निर्जिव वस्तुओ से प्राप्त होते है जैसे खनिज, मृदा, जल, सूर्यताप आदि।

  समाप्यता के आधार पर संसाधनो को निम्न आधारो पर वर्गीकृत किया गया हैः—
- **नवीकरण योग्य संसाधनः**— वे संसाधन जिन्हे भौतिक, रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा पुनः उत्पन्न या प्रयोग के बाद दुबारा उपयोग योग्य बनाया जा सके जैसे पवन, सौर, जल, वन तथा वन्य जीव।
- **अनवीकरण योग्य संसाधनः**— ऐसे संसाधन जिसका निर्माण व विकास एक लम्बे भूवैज्ञानिक समय अंतराल से होता है तथा इनका उपयोग होने के बाद इनका दुबारा उपयोग नही कर सकते जैसे जीवाश्म ईधन, कोयला, एलपीजी, सीएनजी, पेटोलियम पदार्थ।
- प्रश्न—3 भारत में अथवा विश्व में संसाधन नियोजन की आवश्यकता समझाइए—

शेखावाटी मिशन-100

- उत्तर– संसाधनो के नियोजन की आवश्यकता बढ़ती हुई जनसंख्या तथा संसाधनों की मात्रा में लगातार तेजी से हो रही कमी के कारण है। क्योंकि भारत या विश्व बहुत बड़ा भू–भाग है, जहाँ संसाधनो की उपलब्धता मे अत्यधिक विविधता पाई जाती है।

  देश के एक प्रदेश मे ससाधनो की प्रचुरता है तो दुसरे प्रदेश में संसाधनों की कमी उसी प्रकार एक भाग मे अलग प्रकार के संसाधन तो दुसरे भाग में उससे भिन्न प्रकार के संसाधन उपलब्ध है।

  अतः देश के सभी भागो के लिए सभी प्रकार के ससांधनों की उपलब्धता के लिए संसाधनो का नियोजन आवश्यक है जिससे सभी प्रदेशों मे पाये जाने वाले लोगो की आवश्यकताओं को संतुलित आवश्यकतानुसार मात्रा के आधार पर पूर्ण किया जा सके। समय–समय पर संसाधनों का सर्वेक्षण, गुणवता मात्रा, तकनिक को ज्ञात करके ही उस संसाधन के उपयोग से सम्बधि विकास योजनाएं बनानी चाहीए जिससे उन संसाधन नियोजन का सम्भव हो सके।
- प्रश्न–4 संसाधनो के संरक्षण पर टिप्पणी कीजिए –
- उत्तर– संसाधन किसी भी प्रकार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है लेकिन संसाधनो के अति उपयोग अविवेकपूर्ण उपयोग के कारण संसाधनो की समाप्ति तथा अनेक पर्यावरणीय समस्याए उत्पन्न हो गई है। इन सभी समस्याओं से बचने के लिए संसाधनो का संरक्षण आवश्यक है। महात्मा गाँधी ने भी संसाधनों के संरक्षण को लेकर अपनी चिंता इन शब्दों में व्यक्त कि–"हमारे पास हर व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ति के लिए बहुत कुछ है, लेकिन किसी के लालच की संतुष्टि के लिए नहीं। अर्थात् हमारे पास पेट भरने के लिए बहुत है लेकिन पेटी भरने के लिए नहीं।"

  संसाधनों में समाप्य संशाधन जैसे खनिज, पेट्रोलियम पदार्थ कोयला की मात्रा निश्चित है यदि इनका अनियमित अतिउपयोग तथा अविवेकपूर्ण उपयोग होता रहा तो यह संसाधन आने वाली पीढी के लिए समाप्त हो जायेंगे अतः इनका संरक्षण करना, आवश्यकतानुसार उपयोग व नियोजित ढंग से प्रयोग द्वारा ही संरक्षण संभव है।
- प्रश्न–5– भारत में भू–निम्नीकरण के कारण तथा उपाय समझाइए–
- उत्तर– भूमि उपलब्ध होते हुए भी उपयोग योग्य भूमी मे कमी होना भू–निम्नीकरण को प्रदर्शित करना है। भू–निम्नीकरण के निम्न कारण प्रमुख है–

  01\. जल के कारण मृदा अपरदन होना।

  02\. मृदा का लवणीय और क्षारीय होना।

  03\. अति पशुचारण व वनोन्मूलन के कारण।

  04\. अनियमित खनिजो की खगन प्रक्रिया द्वारा।

  05\. उद्योगो से निकले अपशिष्ट या गंदे रासायन युक्त पानी के द्वारा।
- भू–निम्नीकरण के निम्न उपाय है–

  01\. अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा वनोन्मूलन को रोककर।

  02\. मरुस्थलीय तथा अन्य क्षेत्रों में होने वाले अतिपशुचारण को रोककर ।

शेखावाटी मिशन - 100

03. रासायनिक उर्वरको के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग करके।
04. जल तथा वायु द्वारा होने वाले मृदा अपरदन को वृक्षारोपण द्वारा रोककर।
05. जनसंख्या वृद्धि को कम करके।

- प्रश्न–06– मानव विकास के लिए संसाधन आवश्यक या महत्वपूर्ण क्यों है? संसाधन के अत्यधिक दोहन से होने वाली समस्याएं स्पष्ट करें।
- उत्तर– मानव जीवन के लिए संसाधन अति आवश्यक है तथा जीवन की गुणवता बनाये रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है। संसाधन प्रकृति की देन है मानव स्वयं भी जैव संसाधन है। मानव द्वारा पृथ्वी या प्रकृति में प्राप्त संसाधनो जैसे भूमी का उपयोग कृषि के लिए, जल का उपयोग सिंचाई जल विद्युत, पीने के लिए। खनिजों का उपयोग वस्तुऐं बनाने के लिए किया जाता है और इसके उपयोग से अपने जीवन की आवश्यकताओं को पूर्ण किया जाता है अत हम कह सकते है कि संसाधन मानव विकास के आवश्यक या महत्वपूर्ण है।

संसाधनों के अत्याधिक दोहन से निम्न समस्याएँ पैदा हो रही है –

01. कुछ व्यक्तियो के लिए ही संसाधनो का हास हो रहा है।
02. संसाधनो के असंतुलित उपयोग से समाज अमीर व गरीब में बंट गया।
03. संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग के कारण ओजोन परत का क्षरण, पर्यावरण प्रदुषण, भूमि निम्नीकरण तथा भूमंडलीय तापन जैसी वैश्विक समस्याएँ उत्पन्न हो रही है।
04. संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण आने वाली पीढीयों के लिए इनका प्राप्त नही होना भी या इनकी कमी होना भी गम्भीर समस्या होगी।

- प्रश्न–07– मृदा अपरदन किसे कहते है? मृदा अपरदन रोकने के उपाय या मृदा संरक्षण समझाइए
- उत्तर– जल या वायु द्वारा मृदा का बहाव और कटान की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहते हैं।, पृथ्वी पर मृदा अपरदन तथा मृदा निर्माण की प्रक्रिया साथ–साथ चलती है। मृदा अपरदन रोकने के उपाय तथा मृदा सरंक्षण निम्न प्रकार किया जा सकता है–

01. अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके तथा वनोमूलन रोक कर मृदा संरक्षण किया जा सकता है।
02. मरूस्थलीय या अन्य क्षेत्रों में होने वाले अति पशुचारण को रोककर
03. जनसंख्या वृद्धि के कारण होने वाले अव्यवस्थित निर्माण कार्य को रोककर मृदा संरक्षण किया जा सकता है।
04. रासायनिक उर्वरको के स्थान पर जैविक खाद के उपयोग से मृदा संरक्षण किया जा सकता है।
05. पहाड़ी या ढलान वाले क्षेत्रों मे सीढीनुमा खेत बनाकर कृषि कार्य करने से मृदा अपरदन से संरक्षण किया जा सकता है।
06. मरूस्थलीय भागो में पेड़ो की एक कतार लगाकर पवन द्वारा होने वाली मृदा हानि को रोककर मृदा संरक्षण किया जा सकता है।

- प्रश्न–08– भूमि– निम्नीकरण से आप क्या समझते है? संरक्षण के उपाय लिखिए–

शेखावाटी मिशन - 100

● उत्तर– भूमि का उपलब्ध होते हुए भी उसका उपयोग या काम में नही आना भूमि– निम्नीकरण कहलाता है। भूमि निम्नीकरण का प्रमुख कारण मानव जनित जैसे वनोन्मूलन, अतिपशुचारण, खनन, मृदा का लवणीय तथा क्षारीय होना, जलाक्रांतता आदि।

● ' भूमि निम्नीकरण के संरक्षण के निम्न उपाय है–

01. भूमि पर अत्याधिक मात्रा मे वनारोपण करके।
02. पशुओ के लिए चारागाहो का उचित प्रबंधन करके।
03. नियंत्रित पशुचारण करके।
04. मरूस्थलीकरण या रेतीले भागो में श्रृखलाबद्ध तरीके से कॉटेदार झाड़िया लगाकर।
05. खनन कार्य नियन्त्रित तथा वैज्ञानिक विधियों द्वारा किया जायें।
06. उद्योगों द्वारा निष्कासित जल का उचित परिष्करण कर छोड़ा जाये।

पाठ – 7. वन एवं वन्य जीव संसाधन

लघुतरात्मक – 2 अंक (1 प्रश्न)

- **प्रश्न–01– संकटग्रस्त व सुभेध जातियाँ क्या होती है? दो–दो उदाहरण दीजिए**
- **उत्तर– संकटग्रस्त जातियाँः– वे जीवों की जातियाँ जिनके लुप्त होने का खतरा है यदि लुप्त होने के कारण या परिस्थितियाँ बनी रही तो इनका जीवित रहना कठिन है।**
  उदाहरण– काला हिरण, मगरमच्छ, गैंडा, शेर पूँछवाला बंदर।
  (प) सुभेध जातियाँः– वे जीवो की जातियाँ जिनकी संख्या लगातार घट रही है यदि विपरित परिस्थिति नही बदली जाती है तो इनकी संख्या घटने से ये जातियाँ संकट ग्रस्त जातियों में शामिल हो जायेगी।
  उदाहरण – नीली भेड़, एशियाई हाथी, गंगा नदी की डॉल्फ़िन
- **प्रश्न–02– जैव–विविधता से आपक्या समझते है? भारत में जैव विविधता कम होने के कारण लिखिए**
- **उत्तर– पृथ्वी के स्थलीय व जलीय भाग पर अनेक प्रकार के जीव–जन्तुओं तथा वनस्पत्ति का पाया जाना ही जैव–विविधता है। "भारत में" जैव विविधता कम होने के निम्न प्रमुख कारण है–**
  01. मानव द्वारा अंधाधुंध वनो की कटाई से जीवो के आवास का विनाश होना।
  02. मानव द्वारा जीव– जन्तुओं का अत्यधिक शिकार करना अथवा मारना।
  03. मानव द्वारा जनीत वायु प्रदुषण, जल प्रदुषण, मृरा प्रदुषण, हरितगृह प्रभाव आदि।
  04. मानव द्वारा अनेक रासायनिक व किटनाषको के उपयोग द्वारा जीव–जन्तु व वनस्पति का नष्ट होना।

शेखावाटी मिशन - 100

05. वर्षा की अनावृष्टि के कारण दावानल द्वारा जंगलो का नष्ट होना

- प्रश्न–03– भारत में वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण की आवश्यकता या वन्य जीवो के संरक्षण का महत्व समझाइए
- उत्तर– वन एवं वन्य जीवो का संरक्षण पारिस्थितिक सन्तुलन के लिए आवश्यक है क्योंकि पृथ्वी पर पाये जाने वाले सभी जीव–जन्तु–वनस्पति आपस में भोजन या आवास के रूप में एकदूसरे से जुड़े रहते है।
  पारिस्थितिक सन्तुलन को बनाये रखने के लिए प्रत्येक प्रजाति का सन्तुलित संख्या में जीवित रहना आवश्यक है तथा वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण द्वारा ही जल, वायु, मृदा की मूलभूत संरचना का बना रहना संभव है।
- प्रश्न–04– एशियाई चीता पर टिप्पणी लिखिए
- उत्तर– पृथ्वी पर पाया जाने वाला सबसे तेज स्तनधारी प्राणी है। यह बिल्ली परिवार का विशिष्ट सदस्य है। जो 112 किमी. प्रति घंटा की गति से दौड़ सकता है। 20वी शताब्दी से पहले चीते अफ्रीका व एशिया मे दूर–दूर तक फैले थे लेकिन आवासीय उपलब्धता कम होने तथा शिकार के कारण लुप्त हो चुके हैं। भारत मे इस प्रजाति को 1952 गे लुप्त घोषित कर दिया गया था।

प्रश्न 5 प्रोजेक्ट टाईगर क्या है? समझाइए

उत्तर यह बाघ के संरक्षण के लिए बनाई गई परियोजना है बाघ वन्यजीव संरचना में महत्वपूर्ण जंगली जाती है। 20वीं शताब्दी के आरम्भ में बाघों की संख्या में तीव्र कमी हुई।

बाघों की घटी संख्या के कारण 1973 में प्रोजेक्ट टाईगर विश्व की बेहतरीन परियोजना की शुरूआत की गई। इसे प्रोजेक्ट के तहत उत्तराखण्ड (कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्‌यान), पश्चिम बंगाल (सुंदरबन राष्ट्रीय उद्‌यान), मध्यप्रदेश (बांधवगढ राष्ट्रीय उद्‌यान), राजस्थान (सरिस्का वन्य जीव पशु विहार), असम (मानस बाघ रिजर्व) तथा केरल (पेरियार बाघ रिजर्व) राज्यों में अनैक प्रमुख बाघ रिजर्व राष्ट्रीय उद्‌यानों का संरक्षण कर प्रोजेक्ट टाईगर परियोजना प्रारम्भ की गई।

अध्याय - 8 जल संसाधन (अंकभार 2+1=3)

प्रश्न 1 भारत की औसत वार्षिक वर्षा की मात्रा कितने प्रतिशत है?

उत्तर 114 सेमी. वार्षिक वर्षा

शेखावाटी मिशन -100

प्रश्न 2 भारत में कुल विद्युत उत्पादन का कितना प्रतिशत उत्पादन जल विद्युत का है?
उत्तर 22 प्रतिशत जल विद्युत से प्राप्त होता है।

प्रश्न 3 बांधों को आधुनिक भारत के मंदिर किसने कहा?
उत्तर पं. जवाहरलाल नेहरू ने

प्रश्न 4 भाखड़ा=नांगल परियोजना किने नदियों पर बनी है?
उत्तर सतलुज तथा व्यास नदियों के बेसिन पर

प्रश्न 5 हीराकुण्ड परियोजना किस नदी पर बनी परियोजना है?
उत्तर महानदी बेसिन पर

प्रश्न 6 सरदार सरोवर बाँध परियोजना कहाँ पर व किस नदी पर बनी है?
उत्तर गुजरात राज्य में, नर्मदा नदी पर

प्रश्न 7 भारत में विश्व की सर्वाधिक वर्षा किस राज्य व स्थान पर होती है?
उत्तर मेघालय राज्य के मोसिनराम नामक स्थान पर

प्रश्न 8 टाँका क्या है?
उत्तर राजस्थान के शुष्क तथा अर्धशुष्क क्षेत्रों में प्रत्येक घर में छत, घर के आंगन में पाईप लगाकर वर्षा जल को एक भूमिगत टेंक में जम्मा किया जाता है इस भूमिगत टेंक को टाँका कहा जाता है।

प्रश्न 9 बॉस ड्रिप सिंचाई प्रणाली क्या है?
उत्तर मेघालय राज्य की नदियों व झरनों के जल को बाँस द्वारा बने पाईप द्वारा एकत्रित करने की प्रणाली को बॉस ड्रिप सिंचाई कहते है।

प्रश्न 10 राजस्थान के अर्ध शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रहण किस विधि द्वारा किया जाता है?

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर राजस्थान के शुष्क व अर्ध शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रहण के लिए गड्डे बनाए जाते हैं ताकि मृदा को सिंचित किया जा सके तथा संरक्षित जल को खेती के लिए उपयोग में लाया जा सके। जैसलमेर में खादीन तथा अन्य क्षेत्रों में जोहड़ के नाम से जाना जाता है

पीने का पानी संग्रहण टैंक को टांका कहा जाता है जिसमें छत व आंगन का पानी संग्रहित किया जाता हैं।

(लघुत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1 बहुउद्देशीय परियोजनाएं मानव विकास में किस प्रकार उपयोगी है समझाइए अथवा इनके लाभ/ उद्देश्य/ बांध के उपयोग लिखिए।

उत्तर बहुउद्देशीय परियोजनाएं मानव विकास में निम्न प्रकार उपयोगी है।

- सूखाग्रस्त व मरुस्थलीय क्षेत्रों में कृषि सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करवाती है।
- देश के अनेक शहरों में पेयजल आपूर्ति करवाई जाती है।
- नदी पर परियोजना बनाकर बाढ़ नियंत्रण किया जा रहा है इन सभी बहुउद्देशीय कार्यों के संपन्न होने से कृषि, विद्युत, पेयजल, बाढ़ नियंत्रण जैसे अनेक आर्थिक लाभ प्राप्त होते हैं।

प्रश्न 2 जल दुर्बलता क्या है? इसके मुख्य कारण लिखिए-

उत्तर जल दुर्बलता का अर्थ है कि किसी क्षेत्र में जल उपलब्ध होने के बावजूद भी वहां जल प्राप्ति की कमी होना। इसके अनेक कारण हो सकते हैं जैसे - अत्यधिक जनसंख्या होने के कारण जल उपलब्ध नहीं होना, सभी स्थानों पर जनसंख्या के अनुपात में जल का वितरण नहीं होना, जल का अनेक कारणों से प्रदूषित होना या जल में अत्यधिक मात्रा में लवणता भी जल की दुर्बलता का कारण बनती है

अतः समय की मांग है कि जल संसाधनों का संरक्षण एवं प्रबंधन करें तथा आने वाले समय के लिए जल को सुरक्षित रखें।

प्रश्न 3 जल एक नवीकरण योग्य संसाधन है? समझाइए-

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर मानव जीवन के लिए सर्वाधिक उपयोगी संसाधन जल है लेकिन वर्तमान समय उपभोग योग्य जल की मात्रा में लगातार कमी हो रही है अतः वर्षा, नदियों द्वारा प्राप्त जल को संरक्षित कर जल की मात्रा को बढ़ाया जा सकता है - निम्न प्रकार से जल को नवीकरण संसाधन बनाया जा सकता है-

(1) नदियों में प्रवाहित जल को महासागरों में जाने से पहले आवश्यकतानुसार बांध बनाकर और बांध से आसपास के क्षेत्रों में भूमिगत जलस्तर बढ़ेगा, सिंचाई के लिए नहरों द्वारा पानी प्राप्त होगा, बड़े शहरों में पेयजल उपलब्ध होगा।

(2) वर्षा जल को प्रत्येक घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम द्वारा संरक्षित कर भूमिगत जल स्तर को बढ़ाया जा सकता है।

इन 2 उपायों से जल को पुनः नवीकरण योग्य संसाधन के रूप में बना सकते हैं।

प्रश्न 4 वर्षा जल संग्रहण की विधियों द्वारा वर्तमान समय जल भंडारण एवं जल संरक्षण किस प्रकार किया जा सकता है समझाइए।

उत्तर पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रों में लोगों ने 'गुल' अथवा 'कुल' जैसी वाहिकाओं द्वारा नदी के जल का उपभोग सिंचाई के लिए किया जाता है।

- पश्चिमी राजस्थान के जिलों में पीने का पानी एकत्रित करने के लिए घरों के छत से प्राप्त वर्षा जल का संग्रहण एक टैंक में किया जाता है जिसे टांका कहा जाता है।
- राजस्थान में सिंचाई के लिए वर्षा जल संग्रहण के लिए खेतों में 'फॉर्म पोंड', खादिन तथा जोहड़ का निर्माण किया जाता है।

अध्याय - 9- कृषि (अंकभार 2+1=3)

प्रश्न 1 भारत की कितने प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्यों में सलंग्न है?

उत्तर लगभग दो-तिहाई जनसंख्या

प्रश्न 2 भारत में रोपण कृषि की दो फसलों के उदाहरण दीजिए?

उत्तर गन्ना, चाय, कॉफी

प्रश्न 3 खरीफ व रबी फसलों के दो-दो उदाहरण दीजिए-

उत्तर खरीफ - बाजरा, मक्का, चावल, कपास, जूट, मूंगफली, सोयाबीन

शेखावाटी मिशन - 100

रबी - गेहूं, जो, मटर तथा सरसों

प्रश्न 4 चंपारण आंदोलन किस राज्य में व कब हुआ?
उत्तर बिहार राज्य में सन 1917 में

प्रश्न 5 विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए भूदान ग्रामदान आंदोलन को क्या नाम दिया गया?
उत्तर रक्तहीन क्रांति का नाम

प्रश्न 6 किसानों के लाभ के लिए भारत सरकार ने कौन सी योजनाएं प्रारंभ की है?
उत्तर किसान क्रेडिट कार्ड तथा व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना

प्रश्न 7 कर्तन दहन प्रणाली कृषि को भारत व विश्व में किन नामों से जाना जाता है?
उत्तर भारत में-

- असम, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड - झूम, मणिपुर - पामलू, छत्तीसगढ़, अंडमान निकोबार द्वीप - दीपा, राजस्थान - वालरे

विश्व में-

- मध्य अमेरिका, मेक्सिको - मिल्पा, ब्राजील - रोका, वेनेजुएला - कोनुको, वियतनाम - रे, इंडोनेशिया - लदाग

(लघुत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1 कार्बनिक कृषि किस प्रकार की जाती है? समझाइए।
उत्तर वर्तमान समय कार्बनिक कृषि का प्रचलन अधिक है, क्योंकि कार्बनिक कृषि बिना किसी उर्वरकों और रसायनों तथा कीटनाशकों के की जाती है जिससे पर्यावरण मृदा व मनुष्य पर इसका हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ता।

प्रश्न 2 भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण के प्रमुख प्रभावों पर टिप्पणी लिखिए-
उत्तर 1990 के बाद भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण के अनेक प्रभाव पड़े जो निम्न प्रकार है।

शेखावाटी मिशन - 100

1. कृषि में अनेक प्रकार की तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन बढ़ाना।
2. जीवन निर्वाह कृषि को व्यापारिक कृषि में बदलकर अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा रहा है।
3. उन्नत किस्मो अथवा बीजों का उपभोग कर फसल उत्पादन बढ़ाया जा रहा है।
4. कृषि से अनेक निर्यात किए जाने वाले उत्पादों का निर्माण कर विदेशी व्यापार में वृद्धि की जा रही है।

प्रश्न 3 कृषि का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, रोजगार व उत्पादन में योगदान समझाइए?

उत्तर भारतीय कृषि प्रधान देश है, भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था की रीड की हड्डी है। वर्तमान समय देश की लगभग 52% जनसंख्या के लिए रोजगार व आजीविका का साधन कृषि है।

- भारतीय कृषि का सकल घरेलू उत्पादन में घटता प्रतिशत - भारत की अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में गिरावट लाएंगे जो चिंता का विषय है। कृषि का महत्व समझते हुए भारत सरकार कृषि के आधुनिकीकरण, प्रोत्साहन, अनुसंधान, तकनीकी को बढ़ावा दे रही है जिससे कृषि क्षेत्र में वृद्धि करें अर्थव्यवस्था में अधिक योगदान, रोजगार उपलब्ध करा सकें।

प्रश्न 4 दो रेशेदार फसलों की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

उत्तर **1. कपास** - कपास सूती वस्त्र उद्योग का प्रमुख कच्चा माल है।

- कपास उत्पादन में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- पठारी तथा काली मृदा कपास उत्पादन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मानी जाती है।
- इसके उगाने के लिए उच्च ताप, हल्की वर्षा 210 दिन पाला रहित, धूप की आवश्यकता होती है

2. जूट - इसे सुनहरा रेशा कहा जाता है।

- जूट का उत्पादन बाढ़ क्षेत्रों में जल निकासी वाली उर्वरक मर्दा में उगाई जाती है।
- उच्च तापमान की आवश्यकता होती है।
- पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और ओडिशा प्रमुख जूट उत्पादक राज्य है।

शेखावाटी मिशन - 100

प्रश्न 5 दो रोपण/ पेय फसलों की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

उत्तर **1. चाय-** यह एक पेय फसल है जिसे अंग्रेज भारत लाए थे।

- उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु, ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी आवश्यक है।
- वर्ष भर समान रूप से होने वाली वर्षा पंक्तियों के विकास के लिए सहायक होती है।
- भारत में चाय का प्रमुख उत्पादन - असम, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग, तमिलनाडु व केरल

2. कॉफी - भारत में मुख्यत: अरेबिका किस्म की कॉफी उत्पादित की जाती है जो यमन से लाई गई है।

- अरेबिका कॉफी की मांग विश्व भर में सर्वाधिक है।
- भारत में कॉफी बागानों का प्रारंभ बाबा बुदन पहाड़ियों से हुआ।
- मुख्य उत्पादन - कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु

प्रश्न 6 दो प्रमुख खाद्यान्न फसलों की प्रमुख विशेषताएं बताइए

उत्तर **1. चावल-** यह भारत का प्रमुख खाद्यान्न है जिसे खरीफ की फसल के रूप में उगाया जाता है।

- चावल उत्पादन के लिए 25 डिग्री तापमान वह 100 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है।
- चावल का विश्व में चावल उत्पादन की दृष्टि से दूसरा स्थान है (प्रथम चीन)
- भारत में चावल का उत्पादन मुख्यत: पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश में किया जाता है।

2. गेहूं - भारत की दूसरी प्रमुख खाद्यान्न फसल है जिसे रबी सीजन में बोया जाता है।

- गेहूं फसल के लिए 50 से 75 सेंटीमीटर वर्षा तथा शीत ऋतु के साथ खिली धूप की आवश्यकता होती है।
- भारत में गंगा सतलुज का मैदान तथा दक्कन का पठार प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है।
- भारत में मुख्यत: पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार व राजस्थान में उत्पादन किया जाता है।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 10 खनिज तथा उर्जा संसाधन (अंकभार 04)

-
- **प्रश्न** 1 दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित खनिज उत्पादन स्थानो को अंकित कीजिए ?
- उत्तर अध्याय–05 के पृष्ठ संख्या 55 पर प्रदर्शित मानचित्र बनाना।
-
- **प्रश्न** 2 दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में उर्जा के परम्परागत उर्जा स्रोतो को अंकित कीजिए ?
- उत्तर अध्याय–05 के पृष्ठ संख्या 60 पर प्रदर्शित मानचित्र बनाना।
-
- **प्रश्न** 3 दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में उर्जा के गैर–परम्परागत उर्जा स्रोतो को अंकित कीजिए ?
- उत्तर अध्याय–05 के पृष्ठ संख्या 62 पर प्रदर्शित मानचित्र बनाना।
-
- **प्रश्न** 4 दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में लोहा–इस्पात संयंत्र स्थानो को अंकित कीजिए ?
- उत्तर अध्याय–05 के पृष्ठ संख्या 74 पर प्रदर्शित मानचित्र बनाना।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 11 विनिर्माण उद्योग (अंकभार 2)

प्रश्न 1 बॉक्साइट अयस्क से कौन सी धातु प्राप्त होती है?

उत्तर एलुमिनियम

प्रश्न 2 उद्योगों का नगरों के आसपास ही केंद्रित होना कहलाता है?

उत्तर समूहन बचत

प्रश्न 3 कृषि आधारित उद्योग है-

उत्तर सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र, रेशम, रबर, चीनी, चाय, पटसन, वनस्पति तेल उद्योग

प्रश्न 4 खनिज आधारित उद्योग है?
उत्तर लोहा इस्पात, सीमेंट, मशीन, औजार, पेट्रो रसायन उद्योग आदि

प्रश्न 5 आधारभूत उद्योग का उदाहरण है?
उत्तर लोहा इस्पात उद्योग

प्रश्न 6 भारत का पहला पटसन उद्योग कहां स्थापित किया गया?
उत्तर रिशरा (कोलकाता) में 1855

प्रश्न 7 चीनी उत्पादन में भारत का विश्व में स्थान है?
उत्तर दूसरा स्थान

प्रश्न 8 मौसमी उद्योग का उदाहरण है?
उत्तर चीनी उद्योग

प्रश्न 9 डलवा/स्पंज लोहे से लोहा इस्पात क्या मिलाकर प्राप्त किया जाता है?
उत्तर मैंगनीज, निकल, क्रोमियम

प्रश्न 10 लोह इस्पात में लोह अयस्क, कोकिंग कोल तथा चुना पत्थर का अनुपात है?
उत्तर 4:2:1

प्रश्न 11 SAIL का शब्द विस्तार कीजिए-
उत्तर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया

प्रश्न 12 वर्तमान समय इस्पात का सबसे बड़ा उत्पादक देश है?
उत्तर चीन

प्रश्न 13 सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रमों को इस्पात किसके माध्यम से बेचा जाता?
उत्तर SAIL

प्रश्न 14 भारत का प्रथम सीमेंट उद्योग कब व कहां स्थापित किया गया?

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर 1904 में चेन्नई

प्रश्न 15 किस रेशे को गोल्डन फाइबर कहा जाता है?
उत्तर जूट के रेशे को गोल्डन फाइबर कहा जाता है।

अध्याय - 12 राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ (अंकभार 2+1=3)

(अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1 परिवहन किसे कहते हैं?
उत्तर किसी वस्तु, सेवाओं तथा लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने या ले जाने को परिवहन कहते हैं।

प्रश्न 2 प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना क्या है?
उत्तर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना के अंतर्गत देश के प्रत्येक गांव को प्रमुख शहरों से पक्की सड़कों द्वारा जोड़ना है।

प्रश्न 3 उत्तर-दक्षिण गलियारा भारत के किन दो स्थानों को जोड़ता है?
उत्तर उत्तर में श्रीनगर, जम्मू कश्मीर तथा दक्षिण में कन्याकुमारी, तमिलनाडु

प्रश्न 4 पूर्व-पश्चिम गलियारा भारत के किन दो शहरों को जोड़ता है?
उत्तर पूर्व में सिलचर, असम पश्चिम में पोरबंदर, गुजरात

प्रश्न 5 भारत में राष्ट्रीय महा राजमार्गों का निर्माण व रखरखाव किसके द्वारा किया जाता है?
उत्तर NHAI (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) द्वारा किया जाता है।

प्रश्न 6 भारत के राष्ट्रीय राजमार्गो का निर्माण व रखरखाव किस संस्था द्वारा किया जाता है?
उत्तर CPWD (केंद्रीय लोक निर्माण विभाग) द्वारा किया जाता है।

प्रश्न 7 भारत में सीमा सड़क संगठन का गठन कब किया?
उत्तर सीमा सड़क संगठन का गठन 1960 में किया गया।

प्रश्न 8 भारतीय प्रथम रेलगाड़ी कब हुआ कि ना स्थानों के मध्य चलाई गई?
उत्तर 1853 में मुम्बई से थाने के मध्य 34 किलोमीटर चलाई गई।

प्रश्न 9 भारत में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण कब किया गया?
उत्तर वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण 1953 में किया गया।

प्रश्न 10 भारत के पूर्वी तट पर स्थित पोताश्रयो/बंदरगाहों के नाम लिखिए?
उत्तर पूर्वी तट के प्रमुख पोताश्रय/बंदरगाह निम्न प्रकार है- तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापट्टनम, पारादीप, कोलकाता, हल्दिया

प्रश्न 11 भारत के पश्चिमी तट पर स्थित पोताश्रयो/बंदरगाहों के नाम लिखिए?
उत्तर पश्चिमी तट के प्रमुख पोताश्रय/बंदरगाह निम्न प्रकार है- कांडला (दीनदयाल पत्तन), मुंबई, जवाहरलाल नेहरू पत्तन, मारामगाओ, न्यू मेगलोर, कोची

(लघुत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1 व्यापार संतुलन से आप क्या समझते हैं? लिखिए।
उत्तर आयात व निर्यात व्यापार के दो प्रमुख घटक होते हैं किसी देश के व्यापार संतुलन को आयात व निर्यात के अंतर द्वारा संतुलित किया जाता है यदि निर्यात मूल्य आयात मूल्य से अधिक हो तो उसे अनुकूल व्यापार असंतुलन कहते हैं और यदि निर्यात मूल्य आयात मूल्य से कम हो तो उसे व्यापार असंतुलन कहा जाता है।

प्रश्न 2 "पर्यटन एक व्यापार के रूप में" समझाइए।

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर भारत में पर्यटन उद्योग लगातार वृद्धि कर रहा है देश में लगभग 150 लाख से अधिक व्यक्ति पर्यटन से प्रत्यक्ष रुप से जुड़े हुए हैं तथा करोड़ों अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं जिन्हें रोजगार, आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

- भारत में विदेशी पर्यटक व्यापार, चिकित्सा, सांस्कृतिक, रोमांचकारी पर्यटन के लिए आते हैं जिससे विदेशी मुद्रा तथा रोजगार प्राप्त होता है।

प्रश्न 3 विदेशी व्यापार का प्रमुख मार्ग पोताश्रय है समझाइए।

उत्तर विदेशी व्यापार का प्रमुख मार्ग पोताश्रय है क्योंकि विदेशी व्यापार भारत के पूर्वी व पश्चिमी तट पर स्थित पोताश्रयो द्वारा किया जाता है देश का लगभग 95% विदेशी व्यापार समुद्री मार्गो द्वारा किया जाता है।

- भारत के समुद्री तट रेखा 7516.6 किलोमीटर लंबी है जिस पर 12 प्रमुख व 200 मध्यम और छोटे पतन विकसित है जिनके द्वारा अनेक देशों से आयात व निर्यात के रूप में व्यापार किया जाता है।

प्रश्न 4 भारत के दो प्रमुख राष्ट्रीय जलमार्गो का वर्णन कीजिए?

उत्तर 1. भारत का जलमार्ग संख्या 1 जो 1620 किलोमीटर लंबा है जो गंगा नदी के जल मार्ग पर हल्दिया से इलाहाबाद तक है।

2. भारत का जलमार्ग संख्या दो जो 891 किलोमीटर लंबा है जो ब्रह्मपुत्र नदी के जल मार्ग पर सदिया से धुबरी के मध्य है।

प्रश्न 5 स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना क्या है? समझाइए।

उत्तर केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ यह परियोजना जिसमें भारत के चार महानगरों दिल्ली-मुंबई-चेन्नई-कोलकाताको 6 लेन वाले महाराज मार्ग द्वारा जोड़ने की परियोजना है। इसका प्रमुख उद्देश्य बड़े शहरों के मध्य की दूरी व परिवहन का समय कम करना।

प्रश्न 6 सड़क परिवहन के चार प्रमुख महत्व लिखिए।

उत्तर 1. उबड़-खाबड़ वह पहाड़ी क्षेत्रों में भी सड़क परिवहन का निर्माण किया जा सकता है।

शेखावाटी मिशन - 100

2. रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन के लागत कम है।

3. कम व्यक्तियों, कम दूरी तथा कम वस्तुओं के परिवहन में लाभदायक है।

4. सड़क परिवहन अन्य परिवहन साधनों के उपभोग में एक कड़ी के रूप में कार्य करता है- जैसे रेलवे स्टेशन, समुद्री पतन, हवाई अड्डे को सड़कों द्वारा जोड़ा जाता है।

प्रश्न 7 भारत की दो प्रमुख पाइपलाइन परिवहन का वर्णन कीजिए।

उत्तर 1. हजीरा (गुजरात) को जगदीशपुर (उत्तर प्रदेश) से मिलाती है यह गैस पाइपलाइन मध्य प्रदेश के विजयपुर से होकर गुजरती है इसकी निम्न शाखाएं हैं- कोटा (राजस्थान) बाबराला, शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश)

2. तेल पाइपलाइन के रूप में असम के तेल क्षेत्रों से गुवाहाटी, बरौनी, इलाहाबाद के रास्ते कानपुर (उत्तर प्रदेश) तक। इसकी एक शाखा बरौनी से हल्दिया तक तथा दूसरी शाखा गुवाहाटी से सिलीगुड़ी तक है।

पाठ — 13

सत्ता की साझेदारी अंक—2

प्रश्न—1 सत्ता की साझेदारी से आप क्या समझते है ?

उत्तर— जब किसी देश की सत्ता में उस देश के अन्दर रहने वाले सभी वर्गों को शामिल किया जाता है या हिस्सेदार बनाया जाता है तो शासन की इस व्यवस्था को सता की साझेदारी कहा जाता है। सत्ता की साझेदारी ही लोकतंत्र का मूलमंत्र हैं।

प्रश्न—2 आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ता की साझेदारी के अलग—अलग तरीके क्या हैं ? प्रत्येक का एक उदाहरण भी दें।

उत्तर— सत्ता की साझेदारी के निम्न तरीके हैं —

(1) सरकार के विभिन्न अंगो के बीच सत्ता की साझेदारी। उदाहरण— विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता की साझेदारी।

शेखावाटी मिशन -100

(2) सरकार के विभिन्न स्तरो मे सत्ता की साझेदारी। उदाहरण– केन्द्र, राज्य और स्थानीय सरकारो के बीच सत्ता की साझेदारी

(3) सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी। उदाहरण– सरकारी नौकरियों में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण ।

(4) राजनीतिक दलों, दबाब तथा हित समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी। उदाहरण– लोकतंत्र में चुनाव के माध्यम से सत्ता का अलग–अलग विचारधारा और सामाजिक समूहों वाले राजनीतिक दलों के हाथ आती जाती रहती हैं।

प्रश्न–3 लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों कावश्यक है ? अथवा इसके क्या लाभ हैं ?

उत्तर– सता की साझेदारी आवश्यक और अच्छी हैं क्योंकि –

1– विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव का अंदेशा कम हो जाता है।

2– राजनीतिक व्यवस्था के स्थायित्व के लिए अच्छा है।

3– सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र की आत्मा है।

4– शासन में कार्यकुशलता बनी रहती हैं।

प्रश्न–4 सत्ता के क्षैतिज वितरण एवं उर्ध्वाधर वितरण में क्या अन्तर है ?

उत्तर– (1) क्षैतिज वितरण में सरकार के एक ही स्तर पर सत्ता का वितरण होता है।

(2) इसमें एक ही स्तर पर सरकार के अंगो के बीच सत्ता का बँटवारा होता है।

(3) क्षैतिज वितरण में एक ही स्तर की सरकार होती हैं।

उर्ध्वाधर वितरण में– (1) सत्ता का वितरण विभिन्न स्तरों में होता हैं।

(2) इस वितरण में सरकार की शक्तियों का विभाजन विभिन्न स्तरों के बीच होता है।

(3) इस वितरण में उच्चतर एवं निम्नतर स्तर की सरकारे होती हैं।

प्रश्न–5 श्रीलंका की जातीय संरचना को समझाइये–

उत्तर– श्रीलंका में मुख्यतः तीन भाषायी बड़े समूह हैं जिसमें सबसे ज्यादा 74 प्रतिशत के लगभग सिंहली भाषी, 18 प्रतिशत तमिल और 7 प्रतिशत ईसाई भाषी लोग हैं। ईसाई लोग सिंहली व तमिल दोनों भाषाएँ बोलते हैं। सिंहली भाषा बोलने अधिकतर लोग बौद्ध हैं। तमिल भाषा बोलने वाले हिन्दु तथा मुस्लिम दोनो हैं। श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद पाया जाता है।

प्रश्न–6 ''सत्ता की साझेदारी जनतंत्र की आत्मा है।'' श्रीलंका और बेल्जियम का उदाहरण देकर समझाइयें।

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर– श्रीलंका की जनतंत्रीय व्यवस्था (बहुसंख्यकवाद)– श्रीलंका में सिंहली एवं तमिल दो प्रमुख जातियाँ पाई जाती हैं। 1956 में कानून के दाना तमिल को हटाकर सिंहली को श्रीलंका की राजभाषा घोषित कर दिया गया। सरकारी नौकरियों एवं शैक्षणिक संस्थाओं मे सिंहलियों को प्राथमिकता दी गई। बहुसंख्यक सिंहली समुदाय अल्पसंख्यक समुदायों पर प्रभुत्व कायम करने के लिए उन्हें सत्ता में हिस्सेदार नहीं बनाता है। इसके परिणाम स्परूप दोनों जातियों के मध्य टकराव के कारण गृहयुद्ध हुआ।

बेल्जियम में जातीय समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी–

1– बेल्जियम में विभिन्न भाषायी समुदाय 59 प्रतिशत डच भाषी, 40 प्रतिशत फ्रेंच भाषी तथा 1 प्रतिशत जर्मन भाषी लोग हैं।

2– बेल्जियम की केन्द्र सरकार में डच एवं फ्रेंच भाषी मंत्रियों की संख्या समान रहती है। कानून बनाने के लिए दोनो समुदायों का बहुमत होना चाहिए।

3– बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में दोनों समुदायों समान प्रतिनिधित्व है।

4– संविधान द्वारा केन्द्र सरकार की अनेक शक्तियाँ दोनों इलाकों की क्षेत्रीय सरकारों को सौंप दी गई।

पाठ – 14 अंक = 4

संघवाद

प्रश्न–1 संघवाद क्या है? इसकी विशेषताए लिखिए–

उत्तर– संघवाद की परिभाषा– वह शासन जिसमें शक्तियों या सत्ता का विभाजन केन्द्र एवं राज्यों के बीच होता है।

संघवाद (संघीय शासन) की विशेषताए

संघात्मक शासन

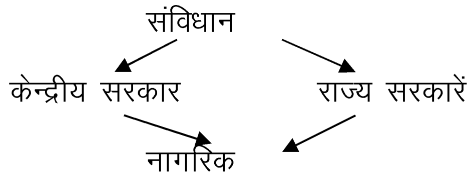

1–लिखित संविधान– इसमें लिखित संविधान होता है। दोनों ही सरकारे संविधान से ही शक्तियाँ प्राप्त करती हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

2–संविधान की सर्वोच्चता – संविधान केवल लिखित, स्पष्ट एवं निश्चित ही नही होता बल्कि वह सर्वोच्च भी होता हैं।

3–दोहरे शासन की व्यवस्था– संघात्मक शासन में दो स्तरों का शासन होता है। पहले स्तर पर केन्द्र सरकार तथा दूसरे स्तर पर राज्य सरकारे।

4– शक्तियों का विभाजन – कानून निर्माण के लिए शक्तियाँ दोनों सरकारों में बँटी रहती हैं।

5–स्वतंत्र सर्वोच्च न्यायलय – कानूनों की व्याख्या करने एवं केन्द्र–राज्य विवादों के निपटारे के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायलय की व्यवस्था की गई हैं।

प्रश्न–2 संघवाद के प्रकार तथा एकात्मक एवं संघात्मक सरकारों में अन्तर लिखिए–

उत्तर– संघवाद के प्रकार :– दो प्रकार है – 1–साथ आकर संघ बनाना, 2–साथ लेकर संघ बनाना

1–साथ आकर सब बनाना – दो या दो से अधिक स्वतंत्र इकाईयों को साथ लेकर एक बड़ी इकाई का गठन। इकाइयों की सत्ता स्वतंत्र होती है जैसे – आस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अतेरिका ।

2–साथ लेकर संघ बनाना – एक बड़े देश द्वारा अपनी आंतरिक विविधता को ध्यान में रखते हुए राज्यो का गठन। इसमें केन्द्र अधिक शक्तिशाली होता है। जैसे– भारत, जापान ।

एकात्मक शासन व्यवस्था	संघात्मक शासन व्यवस्था
1–इसमें केन्द्र सरकार शक्तिशाली होती है।	1–इसमे केन्द्रीय सरकार अपेक्षाकृत कमजोर होती है।
2–शक्तियां एक जगह पर ही केन्द्रित होती है।	2–शक्तियां कई स्तरो पर विभाजित होती है।
3–इसमे एक ही नागरिकता होती है।	3–इसमे दोहरी नागरिकता होती है।
4–केन्द्र सरकार राज्यों से शक्तियां ले सकती है।	4–दोनो स्तर की सरकारे अपने अधिकार क्षेत्र में स्वतंत्र होती है।
5–संविधान संशोधन केन्द्र सरकार अकेले कर सकती है।	5–केन्द्रीय सरकार संविधान संशोधन अकेले नही कर सकती।

प्रश्न–3 भारत में विकेन्द्रीकरण को समझाइये –

उत्तर– भारत एक विशाल देश है। जहाँ दो स्तरों वाली सरकार से काम चलाना बहुत मुश्किल काम हैं। इसलिए सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक मुद्दों को ध्यान में रखते हुए सरकार के तीसरे स्तर को बनाने की आवश्यकता हुई।

<u>पंचायती राज</u>:– गाँव के स्तर पर स्थानीय शासन पंचायती राज कहलाता है। दिसम्बर 1992 में संसद ने 73वें एवं 74वें संशोधनों को मंजूरी प्रदान की एवं उनको संवैधानिक दर्जा देकर मजबूत बनाया गया।

<u>1992 के पंचायती राज व्यवस्था के प्रमुख प्रावधान</u>:– (1)चुनाव व्यवस्था प्रत्येक 5 वर्ष पर (2) SC, ST, OBC के लिए सीटें आरक्षित की गई (3) एक तिहाई सीटों पर महिलाओं को आरक्षण (4) एक स्वतंत्र राज्य चुनाव आयोग का गठन।

शेखावाटी मिशन - 100

ग्राम पंचायतः– प्रत्येक गाँव या ग्राम समूह की एक पंचायत होती हैं। जिसमे कई सदस्य और एक अध्यक्ष होता है। प्रधान अध्यक्ष सरपंच कहलाता है।

पंचायत समितिः– कई ग्राम पंचायत मिलकर पंचायत समिति का गठन करती है। इसका मुखिया प्रधान कहलाता है।

जिला परिषदः– किसी जिले की सभी पंचायत समितियों को मिलाकर जिला परिषद का गठन होता है। इसके सदस्यों का जनता द्वारा चुनाव होता है। मुखिया जिला प्रमुख होता है। जिले के विधायक एवं सांसद भी इसके सदस्य के रूप में होते हैं।

नगर निगमः– इस प्रकार की स्थानीय शासन वाली संस्थाए शहरों में काम करती हैं। छोटे शहरों में नगरपलिका एवं बड़े शहरों में नगरनिगम का गठन होता है। इनके सदस्यों का भी चुनाव जनता द्वारा ही होता है। नगरनिगम के मुख्य पदाधिकारी को मेयर कहते हैं।

प्रश्न–4 भारत में संघीय शासन व्यवस्था को समझाइये ?

उत्तर– भारतीय संविधान में केन्द्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बँटवाराः– तीन सूचियों में किया गया है।

(1) संघ सूची (2) राज्य सूची (3) समवर्ती सूची

(1) संघ सूची :– पहले इसमें 97 विषय थे परन्तु वर्तमान में 100 विषय है। जैसेः– प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, बैंकिंग, संचार, डाक, मुद्रा। इस सूची के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केवल केन्द्र सरकार का है।

(2) राज्य सूची :– पहले इसमें 66 विषय थे। अब 61 विषय है। जैसे पुलिस, कृषि, सिंचाई। इन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केवल राज्य सरकारों का है।

(3) समवर्ती सूची :– पहले इसमें 47 विषय थे अब 52 विषम हैं। – शिक्षा, वन, विवाह। इन विषयों पर कानून बनाने के लिए दोनों सरकारे स्वतंत्र है। विवाद की स्थिति में कानून केन्द्र का मान्य होगा।

प्रश्न–5 भारत की भाषा नीति को समझाइये ?

उत्तर– हमारे संविधान में किसी एक भाषा को राष्ट्र भाषा का दर्जा नहीं दिया गया हैं। हिन्दी को राजभाषा माना गया परन्तु हिन्दी सिर्फ 40 प्रतिशत भारतीयों की मातृभाषा हैं। संविधान में हिन्दी के अलावा 21 भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा दिया गया है।

(1) राज्यो की भी अपनी भाषाए है। राज्यों का अधिकांश काम अपनी भाषा में ही होता हैं।

(2) राजकीय कार्यो में अंग्रेजी के प्रयोग की अनुमति अनेक गैर हिन्दी भाषी राज्यों (दक्षिण भारत) की माँग पर दी गई है। इस समाधान से अंग्रेजी भाषी अभिजन को लाभ होगा।

(3) राजभाषा के रूप में हिन्दी को बढ़ावा देने की अनुमति– भारत में हिन्दी को बढ़ावा देने की सरकारी नीति बनी हुई हैं। लेकिन बढ़ावा देने का अर्थ यह नहीं हैं कि केन्द्र सरकार उन राज्यों पर भी हिन्दी को थोप सकती हैं, जहाँ हिन्दी के अलावा दूसरी भाषा बोलते है।

शेखावाटी मिशन - 100

(4) केन्द्र सरकार के इस लचीले रुख के कारण हम श्रीलंका जैसे बहुसंख्यकवाद की स्थिति से बच गए।

पाठ – 15

लोकतंत्र और विविधता अंक–2

प्रश्न–1 सामाजिक विभाजनों की राजनीति को प्रभावित करने वाले दो कारकों की चर्चा करें ?

उत्तर–(1) अपनी पहचान को लेकर लोगों की धारणा है कि यदि वह अकेले हैं तो उसके पहचान का रह पाना मुश्किल हो जाता है।

(2) सरकार की प्रतिक्रियाः – यदि किसी समुदाय के वाजिब मांगो को सरकार द्वारा नहीं माना जाता हैं, तो इससे सामाजिक विभाजन होता है, जिससे देश की अखण्डता को खतरा हो सकता है।

प्रश्न–2 सामाजिक अन्तर कब और कैसे सामाजिक विभाजनों का रूप ले लेते हैं ?

उत्तर– एक सामाजिक असमानता एक सामाजिक विभाजन का रूप ले लेता है, जब यह कुछ अन्य सामाजिक असमानताए एक साथ आ जाते हैं। उदाहरण के लिए गोरे अमीर और शक्तिशाली थे और अश्वेत गरीब और बेघर थे। जिस कारण उनके साथ भेदभाव किया जाता था। जब एक प्रकार का सामाजिक अन्तर दूसरे से अधिक महत्वपूर्ण हो जाता हैं, तो यह विभाजन का रूप ले लेता हैं।

प्रश्न–3 सामाजिक विभाजन से निपटने के लिए लोकतंत्र कैसे सहायक है ?

उत्तर– (1) लोकतंत्र में समुदायों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से उनकी शिकायतों को सुनाना संभव हैं।

(2) लोकतंत्र सामानिक विविधता को समायोजित करने का सबसे अच्छा तरीका है।

प्रश्न–4 सामाजिक विभाजन और राजनीति परस्पर संबंधित है ? समझाइये।

उत्तर– लोकतांत्रिक शासन व्यवस्थाओं में अलग–अलग रजनीतिक दल एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं। और अधिक से अधिक वोट प्राप्त करने के प्रयास में जनता से बहुत से वायदे करते हैं। किसी विशेष समूह के पक्ष में बोलते हैं। ताकि वे उसके पक्ष में मतदान करे। अतः स्पष्ट है कि लोकतंत्र में सामाजिक विभाजन व राजनीति परस्पर अन्तर्सम्बन्धित हैं ।

प्रश्न–5 टॉमी स्मिथ व जॉन कार्लोस ने किस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया था ?

उत्तर–(1) उन्होंने अमरीकी अथवा अश्वेत लोगों की गरीबी जताने के लिए बिना जूतों के केवल मोजे पहनकर पुरस्कार लिया था।

(2) टॉमी स्मिथ ने अश्वेत लोगों के आत्मगौरव का प्रतीक काले मफलर जैसा परिधान अपने गले में पहना था।

शेखावाटी मिशन-100

(3) जॉन कार्लोस ने मारे गए अश्वेत लोगों की याद में काले मनकों की माला पहनी थी।

प्रश्न–6 अमरीका में नागरिक अधिकार आंदोलन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ?

उत्तर– अमरीका में नागरिक अधिकार आंदोलन 1954 से 1968 तक चला। यह घटनाओं और सुधार आंदोलनों का एक सिलसिला था। जिसका उद्देश्य एक एफ्रो–अमरीकी लोगों के विरुद्ध होने वाले नस्ल आधारित भेदभाव को मिटाना था। मार्टिन लूथर किंग इसका नेतृत्व कर रहे थे।

प्रश्न–7 सामाजिक भेदभाव की उत्पत्ति के दो कारण लिखिए–

उत्तर– (1) सामाजिक विभाजन अधिकांशतः जन्म पर आधारित होता है। क्योंकि हमारा जीवन उस समुदाय के एक परिवार में हुआ है। उसे के हम सदस्य बन जाते हैं। उदाहरणः जातीय एवं नस्लवादी अंतर

(2) आर्थिक असमानताओं के कारण भी सामाजिक भेदभाव की उत्पत्ति होती हैं। उदाहरण के लिए एक ही परिवार में धनी एवं गरीब व्यक्ति प्रायः एक–दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध नहीं रखते हैं, क्योंकि वे अपने को अलग अनुभव करते हैं।

प्रश्न–8 क्या सामाजिक अन्तर सभी देशों में अस्तित्व रखते हैं ?

उत्तर– हाँ, आज अधिकतर देशों में सामाजिक अन्तर पाया जाता है। देश बड़ा हो या छोटा इससे फर्क नहीं पड़ता। भारत और बेल्जियम इसके उदाहरण हैं। जर्मन और स्वीडन जैसे समरूप समाज में भी, दुनिया के दूसरे हिस्सों से पहुँचने वाले लोगों के कारण तेजी से बदलाव हो रहा हैं।

पाठ = 16 जाति, धर्म और लैंगिक मसले

अंक – 1+3

प्रश्न–1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(1) अधिकारों और अवसरों के मामले में स्त्री और पुरुष की बराबरी मानने वाला व्यक्ति .... कहलाता हैं

(2) धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति .... कहलाता है।

(3) जाति को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति .... कहलाता हैं।

(4) व्यक्तियों के बीच धार्मिक आस्था के आधार पर भेदभाव नहीं करने वाला व्यक्ति .... कहलाता हैं।

(5) धर्म को कभी राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता। धर्म से मतलब नैतिक मूल्यों से हैं – यें कथन .... का हैं।

शेखावाटी मिशन -100

(6) सांप्रदायिकता की समस्या तब शुरू होती है जब .... को राष्ट्र का आधार मान लिया जाता हैं।

(7) जाति पर आधारित विभाजन सिर्फ .... में ही देखनें को मिलता हैं।

(8) .... अन्य जाति समूहों से भेदभाव और उन्हें अपने से अलग मानने की धारणा पर आधारित हैं।

उत्तर– (1) नारीवादी (2) सांप्रदायिक (3) जातिवादी (4) धर्मनिरपेक्ष (5) महात्मा गाँधी (6) धर्म (7) भारतीय समाज (8) वर्ण व्यवस्था ।

प्रश्न–2 रिक्त जगह की पूर्ति करे –

(1) भारतीय संघ ने किसी भी धर्म को .... के रूप में स्वीकार नहीं किया हैं।

(2) पुरुष और महिलाओं के असमान अधिकार एवं अवसरों के कारण .... हुए ।

(3) सिर्फ .... पहचान पर आधारित राजनीति लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं होती।

(4) .... से आशय पुरुषों और महिलाओं के मध्य कार्य के विभाजन से हैं।

(5) धार्मिक विभाजन प्रायः .... के मैदान में अभिव्यक्त होता है।

(6) भारत में 2011 में राष्ट्रीय लिंगानुपात .... हैं।

(7) विश्व के निम्न देशों में .... महिलाओं की भागीदारी का स्तर ऊँचा रहा है।

(8) जातिगत भेदभाव से मुक्त समाज की व्यवस्था बनाने वाले समाज सुधारक .... हैं।

(9) 2011 में भारत की आबादी में अनुसूचित जातियों का हिस्सा .... और अनुसूचित जनजाति (दलित) का हिस्सा .... फीसदी था।

उत्तर– (1) राजकीय धर्म (2) नारीवादी आंदोलन (3) जातिगत (4) लैंगिक विभाजन (5) राजनीति (6) 943 (7) स्वीडन, नार्वे, फिनलैण्ड (8) ज्योतिबा फुले (9) 16.6 तथा 8.6

प्रश्न–3 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(1) भारत में .... सभी लोगों और समाजों को किसी भी धर्म का पालन करने की आजादी देता है।

(2) प्रति हजार लड़को पर लड़कियों की संख्या .... कहलाती हैं।

(3) भारत में 2011 में मुस्लिम आबादी का प्रतिशत .... था ।

(4) लैंगिक विषमता का आधार (I)................................. तथा (II) .... हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

(5) भारत में जनगणना 2011 के अनुसार महिलाओं की साक्षरता दर .... हैं।

उत्तर– (1) संविधान (2) लिंगानुपात (3) 14.27 (4) रुढ़छविया तथा पारिवारिक कानून (5) 54 फिसदी

प्रश्न–1 जातिवाद से आप क्या समझते हैं? राजनीति में जाति के विभिन्न रुपों को समझाइये ?

अथवा

भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर (1) उम्मीदवारों का चुनाव जातियों की संख्या के हिसाब से राजनीतिक दल उम्मीदवारों का चयन करते समय जातियों की संख्या का हिसाब रखते हैं। ताकि चुनाव जीत सके।

(2) सरकार के गठन में जातियों को प्रतिनिधित्व देना ।

(3) जातिगत भावनाओं को भड़काकर वोट पाने की कोशिश।

(4) जातिगत गोलबंदी और निम्न जातियों में राजनैतिक चेतन का उदय।

अर्थात – जातिवाद से आशय हैं कि जाति ही सामाजिक समुदाय के गठन का एकमात्र आधार हैं। एक जाति के लोगों के हित एक जैसे होते हैं।

प्रश्न–2 भारत में 'राजनीति में जाति' और ''जाति के अन्दर राजनीति' है इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर– भारत में 'राजनीति में जाति' हैं। जैसे– (1) उम्मीदवारों का चयन जातियों की संख्या के हिसाब से होता है।

(2) सरकार के गठन में जातियों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाता है।

भास्त में 'जाति के अन्दर राजनीति' हैं। जैसे– (1) एक जाति अपने दम पर सत्ता पर कब्जा नहीं कर सकती इसलिए वह ज्यादा राजनैतिक ताकत पाने के लिए दूसरी जातियो से समझौता करती है।

(2) एक ही जाति के लोग अलग–अलग व्यक्तियों के नेतृत्व अलग–अलग दलों में विभाजित हो जाते हैं।

प्रश्न–3 जाति व्यवस्था के प्राचीन स्वरूप में बदलाव लाने वाले कारकों को लिखिए –

उत्तर– जाति प्रथा में परिवर्तन– भारत में आर्थिक विकास, शहरीकरण, साक्षरता, शिक्षा के विकास, पेशा चुनने की आजादी और जमींदारी व्यवस्था के कमजोर पड़ने आदि कारणों से जाति व्यवस्था की पुरातन मान्यता में बदलाव आ रहा हैं।

प्रश्न–4 जातिगत असमानता के तीन उदाहरण तथा इस असमानता को दूर करने के तीन सुझाव दीजिए।

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर– जातिगत असमानता के उदाहरण– (1) जन्म आधारित ऊँच–नीच की व्यवस्था (2) व्यवसाय (3) विवाह

दूर करने के सुझावः– (1) संवैधानिक प्रावधानों का कठोरता से पालन हो (2) शिक्षा के प्रसार द्वारा (3) अन्तर्जातीय विवाह को प्रोत्साहन देकर।

प्रश्न–5 लैंगिक विषमता को समझाइये –

उत्तर– लैंगिक असमानता का आधार स्त्री और पुररुष दोनों के बारे में प्रचलित रूढ़ छविया और तयशुदा सामाजिक भूमिकाए हैं। उदाहरण के लिए महिलाओं की मुख्य जिम्मेवारी गृहस्थी चलाने और बच्चों का पालन–पोषण करने की हैं। यह कार्य अधिकतर परिवारों के श्रम के लैंगिक विभाजन से झलकती हैं।

प्रश्न–6 साम्प्रदायिकता क्या है? भारतीय राजनीति में इसके विभिन्न रूप क्या हैं ?

उत्तर– राजनीति को धर्म से जोड़ना ही साम्प्रदायिकता हैं। यह समाज की वह स्थिति है, जिसमें विभिन्न धार्मिक समूह अन्य समूहों पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित करने का प्रयास करते हैं। चाहे धर्म के आधार पर अलग राष्ट्र ही बनाना पड़े।

भारतीय राजनीति में साम्प्रदायिकता की अभिव्यक्ति के रूप–

(1) धार्मिक पूर्वाग्रह (2) बहुसंख्यकवाद (3) साम्प्रदायिक हिंसा (4) धर्म के आधार पर राजनीतिक गोलबंदी

प्रश्न–7 भारत में महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देनें हेतु क्या प्रयास किये गये हैं ? कोई तीन–

उत्तर– (1) भारत में पंचायती राज व्यवस्था के अन्तर्गत कुछ संवैधानिक प्रावधान किये गए है– जैसे पंचायतो नगरपालिका में एक–तिहाई आरक्षण की व्यवस्था ।

(2) महिला संगठनो और कार्य कर्ताओं ने लोकसभा और राज्य विधान सभाओं की भी एक–तिहाई सीटे महिलाओ के लिए सुरक्षित रखी जाने की मांग की है।

(3) संसद में लम्बे समय से लम्बित एक विधेयक को करवाने के लिए भी महिला संगठनो द्वारा दबाव बनाया जा रहा है।

पाठ = 17

जन–संघर्ष और आंदोलन

अंक = 2

प्रश्न–1 दबाव समूह और आंदोलन में अन्तर लिखिए –

उत्तर– (1) दबाव संगठनों का आधार मजबूत होता है, जबकि आंदोलनों में संगठन कमजोर होता है।

(2) दबाव समूहों में फैसले औपचारिक ढंग से लिए जाते हैं, परन्तु आंदोलनों में अनौपचारिक ढंग से।

(3) दबाव समूहों के फैसले आन्दोलनों के फैसले की तुलना में लचीले होते हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

(4) दबाव समूह जनता की भागीदारी पर निर्भर नहीं होते हैं, जबकि आन्दोलन होते हैं।

प्रश्न–2 दबाव समूह और राजनीतिक दल में जन्तर लिखिए –

उत्तर–(1)दबाव समूहों का देश की सत्ता संभालने का कोई लालच नही होता है। जबकि राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता होता है।

(2) दबाव समूहों का उद्देश्य सीमित होता हैं। जबकि राजनीतिक दलो का उददेश्य विस्तृत होते हैं।

(3) दबाव समूहों के सदस्यों की संख्या राजनीतिक दलों के सदस्यों से बहुत कम होती हैं।

(4) दबाव समूहों के उदाहरण– वकील एसोसिएशन, शिक्षक ट्रेड एसोसिएशन, ट्रेड यूनियन

राजनीतिक दलों के उदाहरण– भाजपा, कांग्रेस आदि

प्रश्न–3 सूची–1 (संगठन और संघर्ष) का मिलान सूची–II से कीजिए –

1	किसी विशेष समूह के हितो को बढ़ावा देते वाले संगठन	(क) आंदोलन
2	जन सामान्य के हितों को बढ़ावा देने वाले संगठन	(ख) राजनीतिक दल
3	किसी सामाजिक समस्या के समाधान के लिए चलाया गया ऐसा संघर्ष जिसमें सांगठनिक संरचना हो भी सकती है और नहीं भी	(ग) वर्ग विशेष के हित–समूह
4	ऐसा संगठन जो राजनीतिक सत्ता पाने की इच्छा से लोगों को लामबंद करता है।	(घ) लोक कल्याणकारी हित समूह

उत्तर– 1–ग, 2–घ, 3–क, 4–ख

प्रश्न–4 सूची–I का सूची–II से मिलान करे –

1	दबाव समूह	(क) नर्मदा बचाओं आंदोलन
2	लम्बी अवधि का आंदोलन	(ख) असम गण परिषद
3	एक मुद्दे पर आधारित आंदोलन	(ग) महिला आंदोलन
4	राजनैतिक दल	(घ) खाद विक्रेताओं का संध

उत्तर– 1–घ, 2–ग, 3–क, 4–ख

प्रश्न–5 (क) नेपाल तथा बोलिविया के जनसंघर्षो में क्या समानता थी ?

उत्तर–(1) नेपाल का आंदोलन व बोलिविया का जल युद्ध दोनों लोकतांत्रिक आन्दोलन थे। (2) दोनों संघर्षो में सफलता मिली तथा लोकतंत्र प्रेमियों के लिए एक प्रेरणा का स्त्रोत भी है।

प्रश्न–5 (ख) नेपाल और बोलिविया के आंदोलनों में असमानता लिखिए –

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर– (1) नेपाल में चले आंदोलन का लक्ष्य लोकतंत्र को पुनः स्थापित करना था जबकि बोलिविया के आंदोलन का लक्ष्य लोकतंत्र को सुदृढ़ करना था।

(2) नेपाल का आंदोलन सरकार के राजनीतिक स्वरूप के विरुद्ध था जबकि बोलिविया का संघर्ष सरकार की एक विशेष नीति के खिलाफ था।

प्रश्न–6 बामसेफ क्या है ? इसके उद्देश्य लिखिए –

उत्तर– बामसेफ का पूरा नाम "बैकवर्ड एण्ड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्प्लाइज फेडरेशन है।'' यह मुख्यतः सरकारी कर्मचारियों का एक संगठन हैं।

उददेश्य :– (1) यह संगठन ज्ञातिगत भेदभाव के खिलाफ अभियान चलाता हैं।

(2) इस संगठन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय एवं सामाजिक समानता को हासिल करना है।

प्रश्न–7 दबाव समूह किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए –

उत्तर– वे संगठन दबाव समूह कहलाते हैं जो सरकार की नीतियों के खिलाफ होते हैं तथा उनसे असंतुष्ट होते हैं और उन्हें प्रभावित करते हैं। इसमें एक समान इच्छा, व्यवसाय या विचार के लोग एक जैसी माँगो के लिए एकत्रित होकर आदोलन करते है।

उदाहरण –1 वर्ग विशेष के हित–समूह– जैसे मजदूर संगठन, व्यावसायिक संघ एवं पेशेवरो (वकील, डॉक्टर, शिक्षक) आदि।

2–जन सामान्य के हित समूह– जैसे मानवाधिकारों के संगठन, बंधुआ मजदूरी के विरुद्ध लड़ने वाले समूह।

प्रश्न–8 बोलिविया के जल युद्ध के बारे में बताइये –

उत्तर– बोलिविया की सरकार ने विश्व बैंक के दबाव में जल आपूर्ति का अधिकार एक बहुराष्ट्रीय कंपनी को बेच दिया, जिसने जल की कीमत में चार गुनी वृद्धि कर दी। इस वृद्धि के विरोध में लोग भड़क उठे। जनवरी 2000ई. में बोलिविया सरकार ने कोच बंबा शहर में मार्शल लॉ लगा दिया लेकिन जनता की ताकत के आगे कंपनी को शहर छोड़कर भागना पड़ा तथा सरकार ने जनता की सारी माँगे मान ली। बोलिविया लेटिन अमेरिका का एक निर्धन देश है।

शेखावाटी मिशन - 100

पाठ = 18

राजनीतिक दल

अंक 2 (1+1)

प्रश्न–1 इनमें से कोन बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक हैं ?

(1) कांशीराम (2) साहूमहाराज (3) ज्योतिबा फुले (4) बी आर अम्बेडकर (1)

प्रश्न–2 भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धान्त क्या है ?

(1) बहुजन समाज (2) क्रांतिकारी लोकतंत्र (3) समग्र मानववाद (4) आधुनिकता (3)

प्रश्न–3 पार्टी (राजनीतिक दल) व उसके चुनाव चिन्ह को सुमेलित कीजिये।

राष्ट्रीय दल	चुनाव चिन्ह	स्थापना वर्ष
कांग्रेस (INC)	दाहिना हाथ	1985
भारतीय जनता पार्टी	कमल का फूल	1980
बुहजन समाज पार्टी	हाथी	1984
भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी (CPI-M)	हथौड़ा और दरांती	1964
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP)	रेखीय घड़ी	1999
ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस	फूल और घास	1998

प्रश्न–4 2004 के चुनाव में (लोकसभा) भारत में कितने प्रमुख गठबंधन थे ?

(1) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) (2) वाम मोर्चा

(3) संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) (4) उपरोक्त सभी (4)

प्रश्न–5

क्षेत्रीय पार्टियाँ सूची–I	राज्य से सम्बंधित सूची – II
समाजवादी पार्टी	उत्तरप्रदेश
सिरोमणी अकाली दल	पंजाब
DMK एवं AIDMK	तमिलनाडु
शिवसेना	महाराष्ट्र
जनता दल (U) तथा राष्ट्रीय जनता दल	बिहार
नेशनल कॉफ्रेंस	जम्मू एण्ड कश्मीर
तलगु देशम पार्टी	ऑध्रप्रदेश

प्रश्न–6 भारत में कौनसी दलीय व्यवस्था हैं ?

(1) एकदलीय (2) गठबंधन (3) बहुदलीय (4) द्विदलीय (3)

प्रश्न–7 बहुजन समाज पार्टी की विशेषता है ?

(1) दलित एवं आदिवासी हितैषी (2) धार्मिक अल्पसंख्यक हितैषी (३) पिछड़ी जातियों एवं कमजोर वर्ग की हितैषी (4) उपरोक्त सभी
(4)

प्रश्न–8 बहुजन समाज पार्टी से संबंधित व्यक्ति हैं ?

शेखावाटी मिशन - 100

(1) साहू महाराज (2) मायावती (3) पेरियार रामास्वामी (4) बी. आर. अम्बेडकर (5) महात्मा फुले (6) सभी (6)

प्रश्न–9 भारत में राजनीतिक दलों का पंजीकरण, मान्यता और चुनाव चिन्ह प्रदान करने वाली संस्था कौनसी है?

(1) संसद (2) उच्चतम न्यायलय (3) राष्ट्रपति (4) भारतीय निर्वाचन आयोग (4)

प्रश्न–10 भारत में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (CPI) का गठन हुआ?

(1) 1885 (2)1925 (3) 1964 (4) 1980 (2)

प्रश्न–11 ममता बनर्जी किस पार्टी की संस्थापक हैं ?

(1) आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (2) भारतीय जनता पार्टी (3) शिवसेना (4) DMK (1)

प्रश्न–12 बहुदलीय व्यवस्था में अनेक पार्टियाँ चुनाव लड़ने एवं सत्ता में आने के लिए आपस में हाथ मिला लेती हैं, तो इसे कहते है ?

(1) दलीय गठबंधन (2) सामाजिक समूह (3) प्रगतिशील बदल (4) धार्मिक समूह (1)

प्रश्न–13 भारत में सबसे पुराना राजनीतिक दल कौनसा है?

(1) भारतीय जनता पार्टी (2) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (3) असम गण परिषद (4) बहुजन समाज पार्टी (2)

प्रश्न–14 जिस दल के हाथ में सत्ता रहती है, वह कहलाता है ?

(1) छायादल (2) विरोधी दल (3) सत्ताधारी दल (4) विपक्षीदल (3)

प्रश्न–15 किस देश में द्विदलीय व्यवस्था हैं ?

(1) भारत (2) चीन (3) संयुक्त राज्य अमेरीका (4) पाकिस्तान (3)

प्रश्न–16 2019 में भारत में राष्ट्रीय दलों की संख्या थी –

(1) 8 (2)5 (3)8 (4) 6 (1)

प्रश्न–17 एक दलीय व्यवस्था वाला वाला देश हैं ?

(1) भारत (2) पाकिस्तान (3) ब्रिटेन (4) चीन (4)

प्रश्न–18 निम्न में सें राजनीतिक दल का कार्य हैं ?

(1) चुनाव लड़ना (2) नीतियाँ बनाना (3) सरकार बनाना (4) उपर्युक्त सभी (4)

प्रश्न–19 निम्न में से राजनीतिक दल का प्रमुख अंग हैं–

शेखावाटी मिशन - 100

(1) राजनेता (2) सक्रिय सदस्य (3) अनुयायी (4) सभी (4)

प्रश्न–20 लोगों का वह समूह जो सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से समान विचार–धारा के आधार पर संगठन बनाता है, कहलाता हैं ?

(1) राजनीतिक दल (2) हित समूह (3) दवाब समूह (4) कोई नहीं (1)

पाठ = 19

लोकतंत्र के परिणाम अंक = 2 (1+1)

प्रश्न–1 लोकतंत्र की परिभाषा बताइये ?

उत्तर– अब्राहम् लिंकन के अनुसार जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन हैं।

प्रश्न–2 लोकतंत्र की दो विशेषताए अथवा लाभ बताइये ?

उत्तर– (1) नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देता हैं। – (2) व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।

(3) गलतियों को सुधारने की अनुमति देता हैं। (4) यह एक वैध शासन व्यवस्था है।

प्रश्न–3 लोकतंत्र को वैध शासन क्यों कहाँ जाता है ?

उत्तर– क्योंकि लोकतांत्रिक सरकार में निम्न गुण पाये है जैसे– (1) यह जवाबदेह सरकार हैं। (2) इसमें पारदर्शिता होती हैं। (3) यह जिम्मेदार सरकार है, जो नागरिकों के विचारों और उम्मीदों का ध्यान रखती हैं। (4) यह जनता द्वारा चुनी जाती हैं।

प्रश्न–4 1950 से 2000 तक किस शासन व्यवस्था में आर्थिक समृद्धि बेहतर हुई हैं ?

उत्तर– तानाशाही शासन व्यवस्था में ।

प्रश्न–5 देश की आर्थिक संवृद्धि को निर्धारित करने वाले कारक बताइये ?

उत्तर– (1) सरकारों का प्रारूप (2) जनसंख्या (3) वैश्विक स्थिति (4) अन्य देशों के सहयोग (5) देश द्वारा तय की गई आर्थिक प्राथमिकताए।

प्रश्न–6 लोकतांत्रिक व्यवस्था तानाशाही से बेहतर क्यों हैं ?

उत्तर– (1) क्योंकि लोकतंत्र में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव होते हैं।

(2) लोकतंत्र में नीति तथा निर्णयों पर खुली बहस होती है।

प्रश्न–7 तानाशाही सरकार की तुलना में लोकतांत्रिक सरकार की कमियाँ लिखिए –

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर– (1) लोकतांत्रिक सरकार में निर्णय लेने में समय अधिक लगता है, जबकि तानाशाही शासन में कम समय लगता हैं।

(2) लोकतांत्रिक सरकार में अधिक धन खर्च होता है जबकि तानाशाही शासन में नहीं।

(3) तानाशाही शासन में भष्ट्राचार उच्च स्तर पर होता है जबकि लोकतांत्रिक शासन में हर स्तर पर भष्ट्राचार होता है।

प्रश्न–8 किस शासन प्रणाली में व्यक्ति की गरिमा, राजनीतिक समानता और महिलाओ की समानता सर्वाधिक सुरक्षित रहती है ?

उत्तर– लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में।

प्रश्न–9 लोकतंत्र का एक राजनीतिक पक्ष लिखिए –

उत्तर– मतदान और चुनाव लड़ने का अधिकार

प्रश्न–10 तानाशाही शासन की दो विशेषताए तथा दो कमियाँ लिखिए –

उत्तर– (1) कम खर्चीला प्रशासन (2) प्रशासन में स्थिरता

कमियाँ – (1) व्यक्ति की गरिमा की उपेक्षा करती है। (2) राजनीतिक समानता की उपेक्षा करती है।

प्रश्न–11 किन्हीं दो देशों नाम बताइये जहाँ पर लोकतंत्र मजबूत व सफल हैं ?

उत्तर– (1) भारत (2) संयुक्त राज्य अमेरीका (3) इंग्लैण्ड

प्रश्न–12 दो तानाशाही देशों के नाम बताइयें ?

उत्तर– उत्तरी कोरिया, चीन

प्रश्न–13 लोकतंत्र में निर्णय लेने में अधिक समय क्यों लगता है ?

उत्तर– लोकतंत्र में निर्णय पर्याप्त विचार–विमर्श के बाद लिए जाने के कारण समय अधिक लगता है।

प्रश्न–14 किन दो संस्थागत कार्यों में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ सफल रही है ?

उत्तर– (1) नियमित एवं निष्पक्ष चुनाव कराने तथा (2) खुली सार्वजनिक चर्चा के लिए।

प्रश्न–15 किस देश में आय की असमानता सबसे कम हैं ?

उत्तर– हंगरी

प्रश्न–16 किस देश में आय की असमानता सबसे अधिक है?

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर– दक्षिण अफ्रीका

प्रश्न–17 लोकतंत्र का क्या परिणाम होना चाहिए ?

उत्तर– ऐसी लोकतांत्रिक सरकार हो जो संविधान की माने तथा लोगों के प्रति जबावदेही हो।

प्रश्न–18 लोकतांत्रिक शासन की कौन सी अक्षमता चिन्ता का विषय हैं ?

उत्तर– उच्चतर आर्थिक संवृद्धि की चिन्ता।

पाठ = 20

लोकतंत्र की चुनौतियाँ अंक = 2 (1+1)

प्रश्न–1 लोकतंत्र की दो चुनौतियाँ लिखिए–

उत्तर– (1) लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती।

(2) लोकतंत्र को मजबूत करने की चुनौती।

प्रश्न–2 भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रमुख दो चुनौतियाँ लिखिए–

उत्तर– (1) सरकार के तीनों अंगो के बीच टकराय (2) संघ एवं इकाईयों के बीच टकराव

प्रश्न–3 लोकतंत्र की चुनौतियों के समाधान के लिए दो सुझाव दीजिए–

उत्तर– (1) शिक्षा एवं जागरूकता (2) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका होनी चाहिए तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की व्यवस्था हो ।

प्रश्न–4. लोकतंत्र में बुनियादी आधार की चुनौती से क्या तात्पर्य हैं?

उत्तर– इस चुनौती में मौजूदा गैर–लोकतांत्रिक सरकार को गिराने, सत्ता पर सेना के नियंत्रण को समाप्त करने और एक सम्प्रभु शासन व्यवस्था को स्थापित करने की चुनौती हैं।

प्रश्न–5 लोकतंत्र में विस्तार की चुनौती का क्या आशय है ?

उत्तर– इस चुनौती में लोकतांत्रिक शासन के बुनियादी सिद्धान्तों को सभी क्षैत्रो, सभी सामाजिक समूहो तथा विभिन्न संस्थाओं में लागू करना शामिल हैं।

प्रश्न–6 लोकतंत्र को मजबूत करने की चुनौती से क्या मतलब है ?

उत्तर– इस चुनौती में लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रथाओं को मजबूत करना शामिल हैं।

प्रश्न–7 भारतीय लोकतंत्र के समक्ष वे चुनौतियाँ जो बेहद घातक है?

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर– भ्रष्टाचार, जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद

प्रश्न–8 लोकतंत्र को मजबूत कैसे किया जा सकता है ?

उत्तर– सरकारी फैसलों में पारदर्शिता द्वारा लोगों की भागीदारी में वृद्धि के द्वारा तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाकर।

प्रश्न–9 बिहार में लोकतंत्र की जड़े कितनी गहरी है ?

उत्तर– बिहार में प्राचीन काल से ही लोकतंत्र विद्यमान है। बिहार के ही वैशाली जिले में लिक्षवियों का गणतंत्र था। राज्य की शक्ति जनता में निहित थी।

प्रश्न–10 वह देश जहाँ महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं हैं ?

उत्तर– सऊदी अरब

प्रश्न–11 नेपाल में किस तरह की शासन व्यवस्था है? लोकतंत्र की स्थापना में वहाँ क्या–क्या बाधाएँ है?

उत्तर– वर्तमान में नेपाल में अल्पव्यस्क लोकतंत्र है। वहाँ सामाजिक विषमता, माओवादी विचारधारा तथा संविधान का अभाव हैं।

प्रश्न–12 नेल्सन मंडेला का संबंध किस देश से था ?

उत्तर– दक्षिण अफ्रीका

प्रश्न–13 लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के समक्ष प्रमुख चुनौती है ?

उत्तर– (1) लोकतंत्र को मजबूत करना (2) विस्तार की चुनौती (3) बुनियादी आधार की चुनौती (4ा) ये सभी (4)

प्रश्न–14 राजनीतिक सुधारों का काम मुख्यतः कर सकते है ?

उत्तर– (1) राजनीतिक कार्यकता (2) राजनीतिक दल (3) आंदोलन (4) से सभी (4)

प्रश्न–15 राजनीतिक सुधारों के किन उपायों के सफल होने की संभावना अधिक होती हैं।

उत्तर– (1) मीडिया पर (2) नागरिक संगठन पर (3) लोकतांत्रिक आंदोलन पर (4) ये सभी (4)

प्रश्न–16 लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियों के सभी सुझाव या प्रस्ताव किस नाम से पहचाने जाते है।

उत्तर– (1) आर्थिक सुधार (2) राजनीतिक सुधार (3) सामाजिक सुधार (4)धार्मिक सुधार (3)

प्रश्न–17 सूचना के अधिकार कानून (2005) की विशेषता हैं ?

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर– (1) लोगों को जागरूक बनाने में (2)लोकतंत्र के रक्षक के रूप में

(3) अष्ट्राचार पर अंकुश लगाने में (4) सभी
(4)

पाठ – 21 विकास अंक– 4

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्र.1 सामान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है?
(1) प्रतिव्यक्ति आय (2) औसत साक्षरता स्तर (3) लोगो की स्वास्थ्य स्थिती
(4) उपरोक्त सभी
उतर– उपरोक्त सभी

प्र.2 निम्नलिखित में से परम्परागत उर्जा का स्रोत नही है–
(1) कोयला (2) खनिज तेल (3) प्राकृतिक गैस (4) सौर उर्जा
उतर– सौर उर्जा

प्र.3 विश्व बैंक विकास के मापदण्ड के रूप में कौनसे पहलू को प्रमुखता देता है?
(1) आय (2) स्वास्थ्य (3) शिक्षा (4) उपरोक्त सभी
उतर– आय

प्र.1 यू.एन.डी.पी. मानव विकास सूचकांक में किन संकेतको का प्रयोग करता है?
उ० (1) आय (2) शिक्षा (3) स्वास्थ्य संकेतको के प्रयोग द्वारा मानव विकास सूचकांक जारी किया जाता है।

प्र.2 विकास किसे कहते है?
उ0 विकास एक ऐसी प्रकिया है जिसमें लोगो के आर्थिक स्तर में मात्रात्मक एवं गुणात्मक सुधार हो जिससे उसका जीवन स्तर ऊँचा हो विकास कहलाता है।

प्र.3 अर्थव्यवस्था से आप क्या समझते है?

शेखावाटी मिशन - 100

उ0 उन विभिन्न प्रणालियों एवं संगठनों के समूह का समन्वय जो लोगो को आजीविका प्रदान करती है अर्थव्यवस्था कहलाती है।

प्र.4 राष्ट्रीय आय किसे कहते है?
उ0 किसी समयावधि में एक अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं में कुल प्रवाह का मौद्रिक मूल्य राष्ट्रीय आय कहलाती है।

प्र.5 शिशु मृत्यु दर से आप क्या समझते है?
उ0 किसी वर्ष में पैदा हुए एक हजार जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु स पहले मर जाने वाले बच्चों का अनुपात शिशु मृत्यु दर कहलाता है।

प्र.6 साक्षरता दर से आप क्या समझते है?
उ0 7 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगो में साक्षर जनसंख्या का अनुपात।

प्र.7 प्रति व्यक्ति आय किसे कहते है?
उ0 किसी देश की राष्ट्रीय आय को उसकी कुल जनसंख्या से भाग देने से प्राप्त राशि होती है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र.1 विकास के लिए धारणीयता (सतत् पोषणीय) महत्त्वपूर्ण क्यो है स्पष्ट कीजिए–
उ० विकास का वह स्तर जो भावी पीढ़ी पर बिना बोझ डाले प्राप्त किया जाता है सतत् विकास अथवा धारणीय विकास कहलाता है।
धारणीयता विकास के लिए महत्वपूर्ण निम्नलिखित प्रकार से है–
01. तीव्र आर्थिक विकास से प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन के कारण प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो जायेंगे जिससे भविष्य मे सभी देशो का विकास खतरे में पड़ जायेगा ।
02. तीव्र औद्योगिकीकरण से पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी को नुकसान पहुँचाता है जो प्रदूषण का कारण बनते हैं एवं भविष्य में प्राकृतिक संतुलन को बाधित करते हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

प्र.2 भारत के लोगो द्वारा ऊर्जा के किन स्रोतों का प्रयोग किया जाता है? अब से 50 वर्ष पश्चात् क्या सम्भावनाएँ हो सकती है?.

उ0 भारत मे ऊर्जा के निम्न लिखित स्रोत प्रयोग किये जाते हैं –

01. परम्परागत स्त्रोत (1) कोयला (2) खनिज तेल (3) प्राकृतिक गैस (4) विद्युत

02. गैर परम्परागत स्रोत– (1) पवन ऊर्जा (2) सौर ऊर्जा (3) बायोगैस (4) भूतापीय ऊर्जा (5) ज्वारीय ऊर्जा

बढ़ते जनसंख्या के दबाव एवं प्राकृतिक ससांधनों के निरन्तर दोहन के कारण पेट्रोलियम एवं संबंद्ध उत्पादों की मांग बढ़ेगी, पूर्ति कम होने के कारण इन उत्पादों के मूल्यो मे निरन्तर वृद्धि के कारण इनका आयात महँगा होगा फलस्वरूप भुगतान असन्तुलन की स्थिति पैदा होगी। अतः नये–नये उर्जा स्रोतों को खोजना होगा तथा ऊर्जा के गैर परम्परागत स्त्रोतों पर निर्भरता बढ़ेगी।

टेलीग्राम चैनल ज्वाइन करें

शेखावाटी मिशन - 100

पाठ– 22 भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

अतिलघुत्तरात्मक

प्र.1 सकल घरेलू उत्पाद किसे कहते है?

उतर–किसी देश के भीतर किसी विशेष वर्ष मे उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का योग सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है।

प्र.2. बेरोजगारी किसे कहते हैं?

उतर–जब प्रचलित मजदूरी पर काम करने के इच्छुक व सक्षम व्यक्तियों को कोई कार्य उपलब्ध नहीं हो तो ऐसी स्थिती बेरोजगारी कहलाती है।

प्र.3. सार्वजनिक क्षेत्र से आप क्या समझते हैं?

उतर–उत्पादन के साधनों पर सरकार का स्वामित्त्व, प्रबन्धन एवं नियन्त्रण होता है।

प्र.4. मध्यवर्ती वस्तुएँ किसे कहते हैं?
उतर–वे उत्पादित वस्तुएँ जिनका प्रयोग उत्पादक कच्चे माल के रूप मे उत्पादन की प्रक्रिया में करता है अथवा उन्हें फिर से बेचने के लिए खरीदा जाता है।

प्र.5. संगठित क्षेत्र से क्या तात्पर्य है?
उतर–वे उद्यम अर्थात् कार्य स्थान आते है जहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है काम सुनिश्चित होता है और सरकारी नियमों व विनिमयों का पालन किया जाता है।

प्र.6. द्वितीयक क्षेत्र की गतिविधियों के कोई दो उदाहरण दीजिए–
उतर– इसमें प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली द्वारा अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। जैसे– 01. कपास से कपड़ा 02. गन्ने से चीनी

प्र.7. प्राथमिक क्षेत्र से आप क्या समझते हैं?
उतर– जब प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं तो इसे प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधि कहा जाता है जैसे कृषि, खनन तथा डेयरी।

प्र.8. तृतीयक क्षेत्र को सेवा क्षेत्र क्यो कहा जाता है?
उतर– क्योकि इसके अन्तर्गत सभी सेवाओ वाले व्यवसाय सम्मिलित है। जैसे– परिवहन, संचार, व्यापार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबन्धन आदि।

प्र.9. मनरेगा का पूरा नाम लिखिए।
उतर–महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम ,2005 ।

प्र.10. प्रच्छन/छिपी हुई बेरोजगारी किसे कहते हैं।
उतर–जब किसी कार्य में आवश्यकता से अधिक व्यक्ति सलग्न रहते हैं तो उसे छिपी हुई अथवा प्रच्छन बेरोजगारी कहा जाता है। इनमें कुछ लोगो को वहाँ से स्थानान्तरित कर दिया जाए तो भी कुल उत्पादन पर कोई प्रभाव नही पड़ेगा।

शेखावाटी मिशन 100

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र.1. असंगठित एवं संगठित क्षेत्रक में अन्तर स्पष्ट करे–

उतर–01. असंगठित क्षेत्र से आशय उन छोटी–मोटी एवं बिखरी इकाइयों से हैं जो अधिकांशतः राजकीय नियन्त्रण से बाहर होती है। जबकि संगठित क्षेत्रक उस उद्यम् या कार्य के स्थान से हैं, जहां रोजगार की अवधि नियमित होती है। सरकारी नियमों व विनियमो का पालन करना होता है।

02. असंगठित क्षेत्रक में रोजगार की शर्तें अनियमित होती है जबकि संगठित क्षेत्रक में रोजगार की शर्तें नियमित होती है।

03. असंगठित क्षेत्रक में श्रमिक दैनिक मजदूरी प्राप्त करते हैं जबकि संगठित क्षेत्रक में कर्मचारी व श्रमिक नियमित रूप से मासिक वेतन प्राप्त करते है।

प्र.2. सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र में कोई दो अन्तर बतलाइये–

उतर–01.सार्वजनिक क्षेत्र मे अधिकांश परिसम्पत्तियो पर सरकार का स्वामित्व होता है और सरकार ही आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराती है जैसे डाकघर, भारतीय रेलवे इत्यादि निजी क्षेत्र मे परिसम्पत्तियो पर स्वामित्व एवं सेवाओं के वितरण की जिम्मेदारी एकल व्यक्ति या कम्पनी के हाथो मे होती है जैसे– टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी, रिलायंस इण्डस्ट्रीज लिमिटेड आदि।

02. सार्वजनिक क्षेत्र का उद्देश्य सार्वजनिक कल्याण तथा उत्पादन एवम् वितरण सम्बन्धी समस्त निर्णय सरकार द्वारा निर्धारित नीति के तहत् लिये जाते हैं, निजी क्षेत्रक की गतिविधियों का उद्देश्य लाभ अर्जित करना तथा उत्पादन एवं वितरण सम्बन्धी निर्णय निजी स्वामित्व अथवा प्रबन्धकों द्वारा लिये जाते है।

पाठः 23 मुद्रा एवं साख

प्रश्न–1 रिक्त स्थानों की मूर्ति कीजिए–

(1) औसत आय को .... आय भी कहाँ जाता है।
(2) भारत में करेंसी (नोट) .... जारी करता है।
(3) इच्छा और आकांक्षाओ .... के लक्ष्य है।
(4) बैंको और सहकारी समितियो से लिया गया ऋण .... कहलाता है।
(5) सात वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों मे साक्षर जनसंख्या का अनुपात .... कहलाता है।
(6) वस्तु विनिमय प्रणाली में .... का उपयोग किये बिना वस्तुओ का विनिमय होता है।
(7) देशों का विकास के आधार पर वर्गीकरण करते समय .... मापदण्ड का प्रयोग किया जाता है।
(8) ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ता ऋण उपलब्ध करवाने का मुख्य स्त्रोत .... है।

शेखावाटी मिशन - 100

(9) मानव विकास रिपोर्ट देशों की तुलना शैक्षिक स्तर, स्वास्थ्य स्थिति और .... के आधार पर करती है।

(10) बैंक जमा राशि के एक बड़े भाग को .... देने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

उत्तर– (1) प्रति व्यक्ति आय (2) भारतीय रिजर्व बैंक (3) विकास (4) औपचारिक क्षेत्रक ऋण (5) साक्षरता दर

(6) मुद्रा (7) प्रति व्यक्ति आय (8) सहकारी समितिया (9) प्रति व्यक्ति आय (10) ऋण

प्रश्न–2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) शिशु मृत्यु दर किस राज्य में सबसे कम है.................. ।

(2) किसी देश की आय उस देश के सभी .... की आय है।

(3) साहूकार, मालिक या परिचित से लिया गया ऋण .... कहलाता है।

(4) भारत मे नवम्बर .... में 500 और 1000 रुपये के नोटों को अमान्य घोषित कर दिया गया।

(5) आज .... 100 से भी अधिक देशों की 200 संस्थाओं की एक संरक्षक संस्था बन गया है।

(6) .... मानव विकास रिपोर्ट जारी करने वाली संस्था है।

(7) भारतीय रिजर्व बैंक .... की ओर से करेंसी नोट जारी करता है।

उत्तर– (1) केरल (2) व्यक्तियो (3) अनौपचारिक क्षैत्रक (4) 2016

(5) उपभोक्ता इन्टरनेशनल (6) UNDP (7) केन्द्र सरकार

प्रश्न–3 मुद्रा को ऐसे विनिमय का माध्यम क्यों को जाता है?

उत्तर– मुद्रा विनिमय प्रक्रिया में मध्यस्थता का काम करती हैं।

प्रश्न–4 बैंक चेक क्या है?

उत्तर– चेक एक ऐसा कागज है, जो बैंक को किसी व्यक्ति के खाते से चेक पर लिखे नाम के व्यक्ति को रकम का भुगतान करने का आदेश देता है।

प्रश्न–5 कृषक सहकारी समिति किस प्रकार के ऋण मुहैया कराती है?

उत्तर– कृषि उपकरण खरीदने, खेती करने, मछली पकड़ने, हार बनाने आदि के लिए ऋण मुहैया कराती है।

प्रश्न–6 वस्तु विनिमय प्रणाली क्या हैं?

उत्तर– इस प्रणाली में वस्तुओं एवं सेवाओं के बदले वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान–प्रदान किया जाता है।

प्रश्न–7 औपचारिक स्त्रोतो के उदाहरण एवं दो लाभ बताइये –

उत्तर– उदाहरण– बैंक तथा सहकारी समितियाँ

लाभ– (1) कम ब्याज पर ऋण की प्राप्ति (2) लम्बे समय के लिए ऋण की प्राप्ति।

प्रश्न–8 साख के अनौपचारिक स्त्रोतों के उदाहरण एवं दो दोष बताइये–

उत्तर– उदाहरण– साहूकार, व्यापारी, महाजन, मालिक, दोस्त

दोष– (ए) उँची ब्याज दर लेना (2) ऋणी का कई प्रकार से शोषण करना।

प्रश्न–9 ऋण की शर्तें किसे कहाँ जाता है?

उत्तर– ब्याज दर, समर्थक ऋणाधार आवश्यक कागजात और भुगतान के तरीकों को सम्मिलित रूप से ऋण की शर्तें कहाँ जाता है।

प्रश्न–10 मुद्रा क्या है? भारतीय मुद्रा की दो विशेषतार बताइये–

उत्तर– मुद्रा से अभिप्राय उस वस्तु से है, जिसका सामान्य विनिमय के माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता है। विशेषताएं– (1) भारत में आधुनिक मुद्रा करेंसी, कागज के नोट व सिक्के हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

(2) भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय मुद्रा जारी करता हैं।
प्रश्न–11 स्वयं सहायता समूह के महत्व को स्पष्ट कीजिए–
उत्तर– (1) ये समूह कर्जदारों को ऋणाधार की कमी की समस्या से उबारने में मदद करते हैं।
(2) मे समूह ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को संगठित करने में मदद करते हैं।
प्रश्न–12 बैंको के कार्य लिखिए–
उत्तर– (1) जमा राशि को स्वीकार करना।
(2) ऋण प्रदान करना।
(3) साख निर्माण।
(4) कोष का हस्तांतरण।

पाठ = 24 वैश्वीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था

प्रश्न–1 विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है–
(1)उदारीकरण (2)निजीकरण (3)राष्ट्रीकरण (4)वैश्वीकरण
(4)
प्रश्न–2 बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किये जाने वाले निवेश को कहाँ जाता है–
(1) देशी निवेश (2) विदेशी निवेश (3) राष्ट्रीय निवेश (4) सरकारी निवेश
(2)
प्रश्न–3 सरकार द्वारा व्यापार से अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया कहलाती हैं–
(1)उदारीकरण की प्रक्रिया (2) लागूकरण की प्रक्रिया (3) स्थानीकरण की प्रक्रिया (4) सामाजीकरण
(1)
प्रश्न–4 वेश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा के दबाव में सबसे ज्यादा प्रभावित कौन हुए है?
(1) बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ (2) श्रमिक (3) भूस्वामी (4) सभी
(2)
प्रश्न–5 विश्व के दूरस्थ भागों को जोड़ने वाली वैश्वीकरण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका रही हैं–
(1)बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ (2) स्थानीय कम्पनियाँ (3) संयुक्त राष्ट्र संघ (4) राष्ट्रसंघ
(1)
प्रश्न–6 वैश्वीकरण से सर्वाधिक लाभान्वित हुए हैं–
(1) धनी वर्ग के उपभोक्ता (2) ग्रामीण श्रमिक (3)शहरी शिक्षित व्यक्ति (4) सभी
(4)
प्रश्न–7 वह कम्पनी जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर स्वामित्व और निमंत्रण रखती है– कहलाती है–
(1) राष्ट्रीय कंपनी (2) स्थानीय कंपनी (3) बहुराष्ट्रीय कंपनी (4) कारखाना
(3)
प्रश्न–8 फोर्ड मोटर्स कम्पनी किस देश की बहुराष्ट्रीय कंपनी है–
(1) भारत (2) चीन (3) अमेरिका (4) द. कोरिया
(3)

शेखावाटी मिशन - 100

प्रश्न–9 भारत की किसी एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी का नाम बताइये?
उत्तर– रैन बैक्सी
प्रश्न–10 भारत में कार्यरत दो बहुतराष्ट्रीय कम्पनियों के नाम बताइये?
उत्तर– (1) हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड (2) कोका–कोला
प्रश्न–11 विदेशी निवेश किसे कहा जाता है?
उत्तर– बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किये गए निवेश को विदेशी निवेश कहाँ जाता है।
प्रश्न–12 वैश्वीकरण क्या है? भारत में इसके तीन प्रभावो के बारे मे बताइये।
उत्तर– वैश्वीकरण– विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकारण हैं।
सकारात्मक प्रभाव– (1)– वैश्वीकरण आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।
(2)– यह जीवन स्तर को बढाने में मदद करता है।
(3)– यह प्रतिस्पर्धा पैदा करता है।
(4)– यह किसी देश की GDP को बढ़ाता है।
नकारात्मक प्रभाव–(1)– यह बालश्रम और गुलामी जैसी गतिविधियों को बढावा देता है।
(2)– यह आतंकवादियों और अपराधियों की मदद करता है।
(3)– अमीर–गरीब के बीच अधिक अन्दर करता है?
प्रश्न–13 वैश्वीकरण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका को बताईये–
उत्तर– (1) दूरसंचार सुविधाए– टेलीफोन, मोबाइल, फोन, फैक्स आदि का विश्वभर में एक–दूसरे से सम्पर्क करने, सूचनाओं को तत्काल प्राप्त करने एवं संवाद करने में प्रयोग किया जाता है।
(2) कम्प्यूटरों ने भी वैश्वीकरण को गति प्रदान की है। जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटरो का प्रवेश हो गया है।
(3) इन्टरनेट से तो स्थितियाँ ही बिल्कुल बदल गई है। संपूर्ण विश्व की जानकारी घर बेठें प्राप्त कर सकते हैं।

प्रश्न–14 बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ क्या है? भारत में इसकी भूमिका को बताइये–
उत्तर– बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ– एक से अधिक देशों में लाभ के उद्देश्य से व्यापार एवं उत्पादन करने वाली कम्पनियो को बहुराष्ट्रीय कम्पनीयाँ कहते हैं।

भारत में इन कम्पनियों की भूमिका–
(1) विदेशी निवेश में वृद्धि– इससे उद्योगों की स्थापना हुई है, जिससे निवेश बढ़ा है।
(2) नवीन तकनीक का आगमन– ये कम्पनियाँ उत्पादन हेतु नवीन तकनीकों का प्रयोग करती है। जिससे श्रम व समय दोनों की बचत होती हैं।
(3) रोजगार में वृद्धि– नये उद्योगों की स्थापना से युवाओं को रोजगार के नवीन अवसर मिलते है।

शेखावाटी मिशन - 100

पाठ - 25 उपभोक्ता अधिकार

प्रश्न 1 भारत में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है। (3)
(1) 20 जून (2) 24 सितम्बर
(3) 24 दिसम्बर (4) 21 जुलाई

प्रश्न 2 एगमार्क किन वस्तुओं के लिए प्रामाणिक चिन्ह है। (3)

(1) सोना-चाँदी (2) उत्पादित मशीन

(3) खाद्य पदार्थ (4) सभी

प्रश्न 3 उपभोक्ताओं को अनुचित सौदेबाजी और शोषण के विरूद्ध जो अधिकार प्राप्त हैं। उसे कहते है? (3)

(1) चुनने का अधिकार

(2) सूचना पाने का अधिकार

(3) क्षतिपूर्ति निवारण का अधिकार

(4) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 4 निम्न में से कौनसा गुणवता हेतु प्रामाणक चिन्ह है? (4)

(1) आईएसआई (2) एगमार्क

(3) हॉलमार्क (4) ये सभी

प्रश्न 5 उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम पारित किया गया? (2)

(1) 1980 (2) 1986

(3) 1990 (4) 2000

प्रश्न 6 भारत में सूचना पाने का अधिकार कब लागू हुआ? (2)

(1) 2010 (2) 2005

(3) 2015 (4) 2006

प्रश्न 7 कोपरा के अंतर्गत वक्ता विवादों के निपटारे के लिए स्थापित किया गया है? (4)

(1) जिला मंत्री (2) राज्य मंत्री

(3) राष्ट्रीय मंच (4) उपरोक्त सभी

प्रश्न 8 वर्तमान समय में भारत में उपभोक्ता संगठन है? (2)

(1) 20-25 (2) 2000 से अधिक

(3) 700 (4) 1000

प्रश्न 9 भारत में किस दशक में व्यवस्थित रूप से उपभोक्ता आंदोलन का उदय हुआ?

(1) 1960 (2) 1950 (1)

(3) 1970 (4) 1940

प्रश्न 10 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए?

(1) कोपरा का पूरा नाम_____________ है।

(2) कोपरा के अंतर्गत उपभोक्ता विवादों के निपटारे हेतु एक _____________ न्यायिक तंत्र स्थापित किया गया है।

(3) आरटीआई का पूरा नाम _____________ है।

शेखावाटी मिशन - 100

(4) जिला स्तर पर जिला न्यायालय ____________ लाख तक के दावों से संबंधित मुकदमों पर विचार करता है।

(5) उपभोक्ता को उत्पादक विक्रेता तथा दुकानदार के शोषण से बचाना ही____________ है।

उत्तरमाला

(1) उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम 1986

(2) त्रिस्तरीय

(3) राइट टू इनफार्मेशन

(4) 20

(5) उपभोक्ता संरक्षण

प्रश्न 11 बाजार में उपभोक्ता शोषण के तीन प्रकार बताइए?

(1) दुकानदारों द्वारा उपभोक्ता से अधिक कीमत वसूल करना।

(2) उपभोक्ता को कम वजन देना।

(3) उपभोक्ताओं को घटिया या पुरानी वस्तु देना।

प्रश्न 12 उपभोक्ताओं को प्राप्त कोई दो अधिकारो का उल्लेख कीजिए?

(1) सूचना पाने का अधिकार - उपभोक्ता के उत्पाद की किस्म, मात्रा, कीमत, उत्पादन तिथि अधिक जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है।

(2) क्षतिपूर्ति निवारण का अधिकार - प्रत्येक उपभोक्ता को सुनने जाने का अधिकार प्राप्त है ताकि वे उत्पादको से क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सके।

प्रश्न 13 एक उपभोक्ता को बाजार से वस्तु खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? कोई दो

(1) वस्तु अथवा सेवा की कीमत, उत्पादन की तिथि, समाप्ति तिथि, कंपनी का नाम-पता, ट्रेडमार्क आदि के संबंध में पूरी जानकारी लेनी चाहिए।

(2) उपभोक्ता को वस्तु खरीदते समय विक्रेता से उसका बिल अवश्य लेना चाहिए।

प्रश्न 14 उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने हेतु उपाय बताइए?

(1) उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

(2) उपभोक्ता संगठनों द्वारा लोगों को जागरूक बनाया जाए।

(3) उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम की जानकारी दी जाए।

(4) उपभोक्ता अधिनियमों का सही क्रियान्वयन किया जाए।

प्रश्न 15 उपभोक्ता संरक्षण परिषद के दो कार्य बताइए?

(1) यह परिषद उपभोक्ताओं के सरंक्षण का कार्य करती है।

(2) यह उपभोक्ताओं को मार्गदर्शन करती है कि कैसे उपभोक्ता अदालत में मुकदमा दर्ज कराएं।

शेखावाटी मिशन - 100